मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 211
रविवार, 16 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

एआई में दूरगामी प्रगति की उम्मीद के साथ भविष्य में बड़े बदलाव होंगेः राष्ट्रपति

रांची, 15 फरवरी। राष्ट्रपति मुर्मू दो दिवसीय दौरे के तहत शुक्रवार को झारखंड पहुंची थीं और उन्होंने राजभवन में रात्रि विश्राम किया। उनके दौरे के मद्देनजर झारखंड की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में दूरगामी प्रगति के साथ भविष्य में बड़े बदलाव होंगे। मुर्मू ने कहा कि केंद्र उच्च शिक्षा में एआई को एकीकृत करने के लिए कदम उठा रहा है और यह गर्व की बात है कि रांची स्थित बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा 2023 में संबंधित पाठ्यक्रम शुरू कर इस क्षेत्र में अग्रणी है। मुर्मू ने बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा, एआई एवं मशीन लर्निंग में दूरगामी प्रगति की अपेक्षा के साथ भविष्य में बड़े बदलाव होंगे। भारत सरकार उच्च शिक्षा में एआई को एकीकृत करने के लिए कदम उठा रही है। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पैदा किए जा रहे अवसरों को हाशिए पर पड़े समुदायों को भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए और किए जा रहे बड़े परिवर्तन का लाभ सभी को मिलना चाहिए।हालांकि, उन्होंने नवोन्मेषकों और उद्यमियों को पारंपरिक समुदायों के ज्ञान आधार को नजरअंदाज न करने के लिए आगाह करते हुए कहा, अकसर, समस्याओं को बड़े तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती। राष्ट्रपति ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष और उद्यमिता को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू दो दिवसीय दौरे के तहत शुक्रवार को झारखंड पहुंची थीं और उन्होंने राजभवन में रात्रि विश्राम किया। उनके दौरे के मद्देनजर झारखंड की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

ड्रोन की क्रांति को समझने में असफल रहे प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 15 फरवरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्तमान समय में युद्ध क्षेत्र और अन्य जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसकी क्रांति को समझने में असफल रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। उन्होंने कहा, ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है।

ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली द्वारा संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है। गांधी ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है - यह उद्योग, एआई (कृत्रिम मेधा) और प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। जबकि वह एआई पर टेलीप्रॉम्प्टर (की मदद से) भाषण देते हैं। हमारे प्रतिस्पर्धी नयी प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं है, बल्कि इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और उत्पादन नेटवर्क को नियंत्रित करने में भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यदि हम उत्पादन को नियंत्रित नहीं करते हैं तो हम एआई या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने कहा, भारत के पास अपार प्रतिभा और प्रेरणा है लेकिन हमें खोखले शब्दों से कहीं अधिक की आवश्यकता है। हमें एक स्पष्ट दृष्टिकोण और वास्तविक औद्योगिक कौशल की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के युवाओं के लिए आगे आने और यह सुनिश्चित करने का समय है कि भारत पीछे न छूटे।

पलानीस्वामी भाजपा की भाषा बोल रहे : स्टालिन

तमिलनाडु, 15 फरवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर भाजपा की बोलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के इस आरोप को सही साबित कर दिया है कि दोनों दलों के बीच गुप्त गठबंधन है।

द्रमुक अध्यक्ष अपनी उंगलिल ओरुवन श्रृंखला (आपमें से एक) में सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे द्रमुक सहयोगियों द्वारा व्यक्त की गई राय के बारे में पूछा गया और यह भी पूछा गया कि क्या इसमें कोई विरोधाभास है?

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उनके विचारों को केवल सलाह के रूप में मानते हैं। द्रमुक की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने पुदुक्कोटटे जिले में पानी के एक ओवरहेड टैंक में मानव मल मिलने से जुड़े वेंगईवायल मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की थी। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसले बहुत देरी से लिया।

उन्होंने कहा कि बीरेन सिंह के पास कोई विकल्प नहीं था, इसीलिए उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा। पलानीस्वामी की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) को झटका दिया, स्टालिन ने कहा, मैंने पहले ही जवाब दे दिया है; अगर आप पलानीस्वामी के बयानों को देखें तो यह भाजपा के बयानों जैसा ही लगेगा। इसके अलावा, स्टालिन ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता भाजपा की बोल रहे हैं और वे अन्नाद्रमुक तथा भाजपा के बीच गुप्त गठबंधन के द्रमुक के आरोप को सही साबित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी टिप्पणी करने से पहले पलानीस्वामी को अपनी नाकामियों पर गौर करना चाहिए।

सभी विवाद अदालत के लिए उपयुक्त नहीं होते, मध्यस्थता ही समाधान का तरीका है : सीजेआई

मुंबई, 15 फरवरी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने कहा कि सभी विवाद अदालत और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मध्यस्थता समस्या के निवारण का तरीका है क्योंकि यह रचनात्मक समाधान प्रदान करता है और संबंधों को मजबूत करता है। नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एमएनएलयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि प्रत्येक मामले को कानूनी मुद्दों की नजर से नहीं बल्कि एक मानवीय पहलू के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारकों को सहायता दी जाती है।

सीजेआई ने कहा, सभी विवाद अदालत, मुकदमेबाजी या यहां तक कि मध्यस्थता के लिए उपयुक्त नहीं होते। मध्यस्थता, समस्या के निवारण करने का वह तरीका है जो हमें विवाद के समाधान से कहीं अधिक उपाय प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह रचनात्मक समाधानों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग को चुनकर हम न केवल संघर्षों को कुशलतापूर्वक हल करते हैं, बल्कि लोगों और व्यवसायों के बीच संबंधों को भी मजबूत करते हैं। सीजेआई खन्ना ने कहा कि वकील समस्या समाधानकर्ता होते हैं, जिन्हें रचनात्मक समाधान प्रदान करना होता है जो समस्या के कानूनी और मानवीय, दोनों आयामों को संबोधित करते हैं।

उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हमारी समस्याएं और अधिक गतिशील होती जा रही हैं, उनके समाधान की आवश्यकता और अधिक लचीली होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने सभी से लीक से हटकर सोचने और न्याय प्रदान करने को किफायती और समयबद्ध बनाने के लिए अपने दायरे को व्यापक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनकी हमारे पूर्ववर्तियों ने शायद ही कल्पना की होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, जो न केवल हमारे पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के मूल ढांचे के लिए भी खतरा है।

साथ ही, डिजिटल विकास, गोपनीयता, सुरक्षा और मानवीय संपर्क की प्रकृति के बारे में अभूतपूर्व प्रश्न उठाता है। सीजेआई ने कहा कि लोकतंत्र खुद नयी प्रौद्योगिकियों और सामाजिक गतिशीलता द्वारा नया रूप ले रहा है। उन्होंने कहा, ये सिर्फ अमूर्त समस्याएं नहीं हैं। ये मानवता, मानवीय गरिमा और स्वतंत्रता के लिए बहुत ही बुनियादी चुनौतियां हैं, जिनके लिए नये समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारकों -- आरोपियों और पीड़ितों को सहायता दी जाती है।

मणिपुर के दो जिलों से नौ उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, 15 फरवरी। सुरक्षाबलों ने इंफाल पूर्वी और थौबल जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी

। पुलिस ने बताया कि अपहरण और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) के चार सक्रिय सदस्यों को शुक्रवार को थौबल जिले के चिंगडोमपोक इलाके से गिरफ्तार किया गया।

सुरक्षाबलों ने एक अन्य अभियान के तहत शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के खाबेइसोई क्षेत्र से जबरन वसूली गतिविधि में शामिल केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के नुंगोई अवांग लेईकाई इलाके से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। इसने कहा, गिरफ्तार किया गया व्यक्ति इंफाल शहर एवं उसके आसपास हथियारों एवं गोला-बारूद लाने-ले जाने और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक पिस्तौल जब्त की गई है। इस बीच, सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को काकचिंग जिले के हियांगलाम नतेखोंग थोंगजिन इलाके में एक नदी के किनारे से दो सिंगल बैरल बंदूक, एक स्नाइपर राइफल, एक देसी पिस्तौल, पांच हथगोले, चार आईईडी, इंसास राइफल के कारतूस, नौ एमएम की एक पिस्तौल के साथ दो हैंडसेट और एक चीन निर्मित ड्रोन बरामद किया।

कार और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर होने से चार लोगों की मौत

बस्ती, 15 फरवरी। बस्ती जिले में बेनीपुर गांव के पास शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार ने एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी जिससे कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि गौर-बभनान मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने देर रात करीब साढ़े 11 बजे ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी जिससे कार में बैठे चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर पैकोलिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जिसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अभिनंदन ने बताया कि शवों का पंचनामा तैयार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पैकोलिया थाने के प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि मृतकों की पहचान अयोध्या जिले के निवासी रोहित (27), गोंडा जिले के निवासी पवन (24), बस्ती जिले के निवासी भाई मोनू (22) और सोमनाथ (24) के रूप में की गई है।

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

-ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां ह्यअमेरिका से शुरू होकर अमेरिकाह्ल पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र

में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का ह्यटैरिफ आतंकवादह्ल निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वाताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्ल (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया-मेक इंडिया ग्रेट अगेन (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

जेईई मेन 2025-क्यों है सवालों के घेरे में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ?

अशोक भाटिया

जेईई मेन 2025 सत्र एक का रिजल्ट घोषित हो चुका है, जिसमें राजस्थान के आयुष सिंघल) ने टॉप किया है, दूसरे नंबर पर कर्नाटक के कुशाग्र गुप्ता और तीसरे नंबर पर दिल्ली के दक्ष का एनटीए स्कोर 100 रहा है। वहीं जेईई मेन रिजल्ट को लेकर एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) पर एक बार फिर से आरोप लग रहे हैं। दरअसल एनटीए ने त्रुटियों के कारण जेईई मेन 2025 फाइनल आंसर-की से 12 प्रश्नों को हटा लिया है, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। ऐसे में एनटीए की निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा आयोजित करने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रश्नों की कुल संख्या 90 से घटाकर 75 करने के बावजूद, त्रुटि दर बढ़कर 1।6% हो गई, जो ऐतिहासिक 0।6% से लिमिट से कहीं अधिक है। एनटीए की पारदर्शिता की कमी है, हटाए गए प्रश्नों की संख्या के बारे में इसके दावों में असंगतता है, जिससे अंडर-रिपोर्टिंग का संदेह पैदा होता है। एनटीए के महानिदेशक पी एस खारोला ने मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया। शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए से एक जवाब भेजा है जिसमें पाठ्यक्रम विसंगति की चिंताओं को नजरअंदाज किया गया है, जिससे इसकी जवाबदेही के बारे में संदेह गहरा गया है।

एनटीए ने दावा किया कि 2023, 2024 और 2025 के सत्र 1 में छह प्रश्न हटाए गए थे, लेकिन 2025 की आंसर-की में 12 हटाए गए प्रश्न सूचीबद्ध हैं। टीओआई के विश्लेषण में पाया गया कि 2023 के सत्र 1 में पांच प्रश्न हटाए गए थे, जबकि 2022 के सत्र 1 और 2 में क्रमशः चार और छह प्रश्न हटाए गए थे। फरवरी और मार्च 2021 की परीक्षाओं में कोई प्रश्न नहीं हटाया गय।। इसके बावजूद, एजेंसी ने अपना बचाव करते हुए कहा, ₹इस साल की रिकॉर्ड-कम चुनौती दर और न्यूनतम त्रुटियां देश भर में इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटि-मुक्त परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए NTA की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न छूट जाने से संबंधित छात्रों और शिक्षकों के बीच चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन अगर राष्ट्रीय प्रणाली, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को आईआईटी प्रवेश परीक्षा में दर्जनों प्रश्नों को छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है क्योंकि यह गलत है, तो सवाल केवल उच्च शिक्षा के बारे में उठते हैं। पिछले साल नीट-यूजी पेपर लीक के कारण प्रसिद्ध था। अब, जेईई-मेन के अवसर पर, इस साल के प्रवेश परीक्षा सत्र के विवाद परीक्षा प्रणाली की गलतियों के साथ शुरू हो गए हैं जो प्रश्न पूछ रहे हैं। जेईई-मेन परीक्षा में की गई गलतियां। हालांकि, मुख्य सवाल यह है कि परीक्षा आयोजित करने वाले सिस्टम कुशल क्यों नहीं हैं और इसलिए इस पर टिप्पणी करने की आवश्यकता है। जेईई-मेन आईआईटी में पहला कदम है और देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अखिल भारतीय सीटों को भरने के लिए इसके अंकों पर भी विचार किया जाता है। स्वाभाविक रूप से, देश भर से लगभग 15 लाख छात्र हर साल परीक्षा के लिए बैठते हैं। परीक्षा दो सत्रों में होती है, जिनमें से एक जनवरी में हुई थी, जिसे हाल ही में घोषित किया गया था और दूसरा अप्रैल में। प्रणाली के अनुसार, एक प्रश्न पत्र को देश भर में मुद्रित और वितरित किया जाना है, इसलिए परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र के पैर टूटने की संभावना कम है। इस अर्थ में, यह एक अच्छा तरीका है। हालांकि, यह थोड़ा जटिल है कि अलग-अलग सत्रों में अलग-अलग, लेकिन समान रूप से कठिन, प्रश्नों की आवश्यकता होती है। बेशक, पेपर लीक से बचने के लिए वह भी आवश्यक है। संक्षेप में, एक ही प्रवेश परीक्षा के लिए सैकड़ों प्रश्न तैयार करना जिम्मेदारी है। लेकिन, अगर उनमें से केवल बारह गलत हैं, तो यह कहना हास्यास्पद है, क्योंकि, 'एनटीए जैसी स्वायत्त संस्था से इस विषय पर बहुत सारे सवाल पूछने की जिम्मेदारी लेने की उम्मीद की जाती है। वास्तव में, यह संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों में से एक है, जिसके लिए उनके पास देश भर से विषय विशेषज्ञ भी उपलब्ध हैं।

इस वर्ष, जेईई-मेन के पहले सत्र के बाद प्रकाशित उत्तर पुस्तिका पर उठाई गई आपत्तियों को सत्यापित करने के बाद, एनटीए ने अंतिम उत्तर सूची प्रकाशित की और 12 प्रश्नों को छोड़ दिया। इसका मतलब है कि प्रश्न पत्र में 12 प्रश्न गलत थे। भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के 25 प्रश्नों में से कुछ गलत थे और कुल 12 प्रश्न गलत थे। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी छात्रों को इन 12 प्रश्नों के पूर्ण अंक मिलेंगे, चाहे छात्र ने प्रश्न हल किया हो या नहीं। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंकों के अनुसार सभी को 48 अंक मिलेंगे। चूंकि सत्र अलग-अलग हैं, इसलिए पर्सेंटाइल का समग्र परिणाम पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, प्रश्न में गलतियों के कारण कई नए प्रश्न उठाए जा रहे हैं। इनकी तीव्रता कम नहीं होती।

जबकि जनवरी में परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी 12।5 लाख छात्रों को 48 अंक मिलेंगे, क्या होगा यदि कुछ छात्रों ने इन 12 प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत शोर मचाया और इससे उन्हें अगले कुछ प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत कम समय मिला, या अगले प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए ज्यादा समय नहीं मिला और शायद वे अपने उत्तर से चूक गए? माना कि ऐसी घटनाओं को मापा नहीं जा सकता, लेकिन हम इस बात से कैसे इनकार कर सकते हैं कि ऐसा हो सकता था और एनटीए द्वारा उठाए गए गलत सवाल इसके लिए जिम्मेदार थे? NTA, एक स्वायत्त निकाय, यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था कि प्रवेश परीक्षा अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से आयोजित की जाए। NTA ने अपनी वेबसाइट पर विषय विशेषज्ञों, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और सुरक्षा पेशेवरों की मदद से परीक्षा प्रणाली में खामियों को दूर करने के अपने इरादे की भी घोषणा की है। ऐसा क्या है यदि ऐसी गलतियाँ लापरवाही का संकेत नहीं हैं, ऐसी गलतियाँ लापरवाही की निशानी नहीं हैं, जिसके लिए अंग्रेजी में प्रश्न पत्र में एक ही उत्तर का विकल्प सही है, जिसके लिए भारतीय भाषाओं में प्रश्न पत्र में सही उत्तर के दो विकल्प उपलब्ध हैं? पिछले साल, उसी NTA द्वारा आयोजित NEET परीक्षा में अनियमितताएं थीं। कई छात्रों, विशेष रूप से कुछ केंद्रों के छात्रों को प्राप्त अंकों पर कई संदेह थे। यहां तक कि अगर पूरी परीक्षा फिर से आयोजित नहीं की गई थी, तो संदेह दूर नहीं हुए थे। क्या यह कहा जाना चाहिए कि ईमानदारी से परीक्षा देने वालों को परीक्षा प्रणाली द्वारा माना गया था?

यह सिर्फ जेईई-मेन में हुई 12 गलतियों का सवाल नहीं है, यह एनटीए की विश्वसनीयता और पारदर्शिता के बारे में है। एनटीए जेईई-मेन, एनईईटी, यूजीसी-एनईटी, जेएनयू प्रवेश परीक्षा, जीपीएटी, सीमैट, आईसीएआर की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, आईआईएफटी की प्रवेश परीक्षा, पीएचडी और इग्नू की ओपनमैट परीक्षा सहित विभिन्न प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा सहित विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं आयोजित करता है। इन सभी प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता हर साल होने वाली गड़बड़ियों के कारण दांव पर है। यह स्नातक प्रवेश परीक्षाओं के लिए NTA जैसी स्वायत्त संस्था की स्थापना की समस्या का हिस्सा है। दूसरा और भी कठिन है। हमारे देश में यथास्थिति के अनुसार कौन सी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं? कक्षा 12 और 10 की परीक्षा में, अभी भी सामूहिक नकल के बारे में सख्त चेतावनी है, फिर भी नकल है। यह ठीक है कि परीक्षा प्रणाली को दोष नहीं दिया जा सकता है, लेकिन 'उन लोगों के बारे में क्या जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी?' यही सवाल भी बना हुआ है।

अगला सवाल यह है कि परीक्षा देने वालों की परवाह कौन करता है और जो ऐसा करने में असफल नहीं होते हैं। यही एकमात्र प्रश्न है जो हमारी प्रणालियों की जटिलता को दर्शाता है। यूपीएससी, एमपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में प्रश्न, वे कब से आयोजित की जाएंगी और क्या आयोजित की जाएंगी, उम्मीदवारों की पीठ छोड़ना बंद नहीं किया है। इन सभी परीक्षाओं के लिए देश भर के लाखों छात्र बैठते हैं। इन छात्रों को अच्छी तरह से तैयारी करने में सक्षम होना चाहिए। इसके लिए इन छात्रों के अभिभावक पढ़ाने के लिए लाखों रुपये खर्च करते हैं। इसके लिए मकान और जमीन गिरवी रखकर पैसा जुटाया जाता है। ये सब एक अच्छे करियर के सपने को पूरा करने के लिए है। ऐसे कई लोग हैं जो दूसरी बार परीक्षा में बैठते हैं क्योंकि उन्हें पहले प्रयास में कम अंक मिले थे। exam agencies को वास्तव में पता है कि हम कितने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ खेल रहे हैं, प्रश्न पत्र में इतनी गलतियाँ करके, कदाचार पर अंकुश लगाने में असफल होकर? इसने छात्रों के मन में पूरी तरह से परीक्षा प्रणाली के प्रति अविश्वास पैदा कर दिया है। जिस देश में कई बेईमान परीक्षार्थी हैं झ्र कई ईमानदार छात्र हैं - वहां सिस्टम को परीक्षा की गंभीरता को भी समझना चाहिए और शासन में सुधार करना चाहिए।

ऋषि अगस्त्य ने विन्ध्याचल के अहंकार का दमन कर उत्तर-दक्षिण किया एक

-सुरेश गांधी

फिरहाल, अगस्त्य ऋषि की गिनती प्राचीन सप्तऋषियों और विज्ञानवेत्ताओं में होती है. वह न सिर्फ शस्त्र निर्माण विद्या के ज्ञाता थे, बल्कि उन्हें मित्रावरुण शक्ति (यानि बिजली) उत्पादन का जनक माना जाता है. प्राचीन सूर्य की प्रतिमाओं में अक्सर ये देखने को मिलता है कि प्रतिमा के हाथ में एक घुमावदार तारनुमा कोई यंत्र है. दरअसल वह आज के कुंडलीयुक्त तंतु (फिलामेंट) का ही प्रतीक है. इसे अग्स्त्य ऋषि ने ही बनाया था. प्राचीन काल में मित्र और वरुण की संधि भी इसी बात का प्रतीक है. उनकी शक्ति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वनवास के दौरान श्रीराम खुद अगस्त्य मुनि के आश्रम में उनके दर्शन के लिए पहुंचे थे और उनसे सहायता मांगी थी। इसका जिक्र संत शिरोमणि तुलसीदास जी ने रामायण में भी की है

एवमस्तु करि रमानिवासा। हरषि चले कुंभज रिषि पासा।।
बहुत दिवस गुर दरसनु पाएं।। भए मोहि एहिं आश्रम आएं।।
है प्रभु परम मनोहर ठाऊं। पावन पंचबटी तेहि नाऊं।।
दंडक बन पुनीत प्रभु करहू। उग्र साप मुनिबर कर हरहू।

मतलब साफ है अगस्त्य ऋषि ने ही श्रीराम को पंचवटी में रहने का सुझाव दिया था। इस दौरान उन्होंने रावण पर विजय पाने के लिए श्रीराम को कई प्रकार के अस्त्र-शस्त्र भी प्रदान किए थे। उसमें आदित्य हृदय मंत्र का पाठ भी शामिल था। श्रीराम के प्रभाव से ही गौतम ऋषि का मिला हुआ श्राप भी खत्म हो गया था। ऋषि अगस्त्य को कुंभज के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, कुंभ शब्द का अर्थ घड़ा होता है. कुंभज यानी जिसका जन्म घड़े से हुआ हो. ऋषि अगस्त्य का जन्म एक घड़े से हुआ था, इसलिए उन्हें कुंभज या घटज नाम से भी जाना जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य का एक नाम मित्र है. उन्हें मित्रदेव कहा गया है. वह 12 आदित्यों में से एक हैं. कहते जल के देवता वरुण और मित्र दोनों एक ही अप्सरा पर आसक्त हो गए. इस आसक्ति में उनका वीर्यपात हो गया, जिसे उन्होने घड़े में संरक्षित कर लिया. इसी घड़े से अगस्त्य ऋषि का जन्म हुआ. घड़े से जन्म लेने के कारण ही उन्हें कुंभज कहा गया और मित्र-वरुण का अंश होने के कारण उन्हें मित्रावरुण कहा गया है. महर्षि अगस्त्य वेदों के मंत्रद्दष्टा ऋषि कहे गए हैं. ये भगवान राम के गुरु वशिष्ठ के पुत्र थे. कहते है उन्होंने देवताओं व ऋषियों के हित के लिए समुद्र का पानी पी लिया था. इससे समुद्र में छिपे राक्षसों का विनाश हो गया था। खास यह है कि ऋषि अगस्त्य भगवान भोलेनाथ के भक्त थे और काशी में रहकर श्रीकाशी विश्वनाथ की उपासना की थी। कहते है उस वक्त भगवान सूर्य की किरणें विंध्याचल पर्वत की ऊंचाईयों के चलते काशी पर नहीं पड़े रहे थे, तब अगस्त्य ऋषि ने ही अपने आराध्य शिवजी की इच्छानुसार, विन्ध्य पर्वत के अहंकार को अपने प्रताप से दमन कर उसे झुकने के लिए विवश किया था। एक अन्यकथानुसार, भगवान भोलेनाथ के कहने पर ही दक्षिण की ओर जाते हुए, उन्हें राह में विन्ध्य पर्वत मिला. वह अहंकार में ऊंचा उठता जा रहा था. इससे उत्तर-दक्षिण का संपर्क भी कट रहा था. पहले तो ऋषि अगस्त्य ने उससे राह देने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना. फिर उन्होंने चतुराई से काम लिया. कहा- क्या लाभ इतनी ऊंचाई का, जो तुम एक छोटे ब्राह्मण को न तो देख सकते हो और न कुछ दे सकते हो. विन्ध्याचल ने अहंकार में ही कहा, क्यों नहीं दे सकता, आप मांग कर देखिए. तब उन्होंने उससे कहा कि नीचे झुककर आओ और रास्ता दो. विन्ध्याचल ने ऐसा ही किया. उन्होंने कहा, मुझे वापस भी जाना है. जबतक लौट कर न आऊं तुम इसी अवस्था में रहना. फिर अगस्त्य मुनि लौटकर नहीं आए. इस तरह उत्तर-दक्षिण का संपर्क फिर जुड़ गया.

कहते हैं, उस दौर में जब उत्तर-दक्षिण के बीच खाई बढ़ती जा रही थी तब ऋषि अगस्त्य ने ही दोनों को एक किया था। हुआ यूं कि शिव-पार्वती के विवाह में शामिल होने के लिए सभी लोकों और दिशाओं के देवता जब हिमालय पर इकट्ठा होने लगे तो उत्तर-दक्षिण का संतुलन बिगड़ने लगा. तब सिर्फ अगस्त्य ऋषि की तपस्या में ही इतना बल था कि वह संतुलन बना सकते थे. इसलिए भगवान भोलेनाथ ने उन्हें दक्षिण जाने को कहा, रास्ते में उन्हें विन्ध्य पर्वत की ऊंचाईयां सिर्फ इस वजह से खटकने लगा कि इससे उत्तर-दक्षिण का संपर्क टूट रहा था. वह अहंकार में इतना ऊंचा उठता जा रहा था कि ऋषि अगस्त्य का रास्ता भी रोक लिया, लेकिन उन्होंने बड़े ही चतुराई से विन्ध्य के अहंकार का दमन करते हुए झुका दिया और धरती के संतुलन को बराबर किया। कुछ इसी तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले दो सालों से काशी तमिल संगमम के जरिए उत्तर-दक्षिण को एक करने में जुटे हुए है

इसके अलावा उन्होंने उत्तर दक्षिण की भाषा, चिकित्सा और अध्यात्म को भी एकसूत्र में पिरोने का काम किया। श्रीकाशी विश्वनाथ की प्रेरणा से ही उन्होंने तमिल व्याकरण की रचना की। जो यह बताने के लिए काफी है कि ऋषि अगस्त्य ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित किए है। लेकिन कुछ वजहों से विरोधाभाषों के चलते उत्तर दक्षिण में फर्क होने लगा था, लेकिन एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत के आह्वान के तहत एक बार फिर काशी-तमिल संगमम के जरिए खाई को पाटा जा रहा है। इस साल इसका तीसरा संस्करण 15 फरवरी से शुरू हो रहा है। इसके पीछे सरकार की मंशा है कि उत्तर और दक्षिण की शिक्षा और संस्कृति का मेल हो सके। जिससे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच परस्पर संपर्क-संवाद बढ़े। आईआईटी मद्रास ने 15 से 24 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम की पूरी तैयारी की है। यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का अहम आयोजन है। वाराणसी में इस आयोजन की मेजबानी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय कर रहा है। काशी तमिल संगमम 3.0 की मुख्य थीम ऋषि अगस्त्य के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करना है जो उन्होंने सिद्धा चिकित्सा पद्धति (भारतीय चिकित्सा), शास्त्रीय तमिल साहित्य और राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता में दिया है। इस अवसर पर एक विशिष्ट प्रदर्शनी ऋषि अगस्त्य के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं के बारे में और स्वास्थ्य, दर्शन, विज्ञान, भाषा विज्ञान, साहित्य, राजनीतिक, संस्कृति, कला, विशेष रूप से तमिल और तमिलनाडु के लिए उनके योगदान पर आयोजित की जाएगी। इसके अलावा प्रासंगिक विषयों पर सेमिनार और कार्यशाला भी होंगी।

दरअसल, ऋषि अगस्त्य को तमिल भाषा के पहले तमिल व्याकरण के रूप में जाना जाता है। कहते हैभगवान मुरुगन ने उन्हें स्वयं तमिल व्याकरण की शिक्षा दी थी। उनकी रचनाओं ने तमिल भाषा और साहित्य को समृद्ध बनाया। उन्होंने संस्कृत और तमिल दोनों भाषाओं में ग्रंथों की रचना की, जिससे वे दोनों ही भाषायी परंपराओं के सेतु बने। ऋषि अगस्त्य केवल भाषा और साहित्य तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया। वे सिद्ध चिकित्सा प्रणाली के जनक माने जाते हैं, जो तमिलनाडु की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है। उनकी जयंती को हर वर्ष राष्ट्रीय सिद्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी यह विरासत आज भी तमिलनाडु और भारत के अन्य भागों में चिकित्सा पद्धति के रूप में जीवित है। ऋषि अगस्त्य को कावेरी और ताम्रपर्णी नदियों को पृथ्वी पर लाने का श्रेय दिया जाता है। इन नदियों ने दक्षिण भारत में कृषि और जल आपूर्ति को समृद्ध किया, जिससे वहां की सभ्यता फली-फूली। उनके इस योगदान ने भारतीय समाज के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऋषि अगस्त्य की ख्याति केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि श्रीलंका, इंडोनेशिया, जावा, कंबोडिया, वियतनाम सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी उन्हें पूजा जाता है। यह उनकी शिक्षाओं और योगदान की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ता है। ऋषि अगस्त्य का जीवन और उनका योगदान हमें यह सिखाता है कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वे हमें यह प्रेरणा देते हैं कि विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सेतु बनाकर ही हम एक सशक्त और समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। उनकी स्मृति और शिक्षाएँ हमें सदैव एकता, ज्ञान और आत्मनिर्भरता की राह दिखाती रहेंगी।

यू.एस. इंडिया कॉम्पैक्ट चुनौतियाँ और अवसर

-डॉ. सत्यवान सौरभ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प जूनियर ने 13 फरवरी, 2025 को वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आधिकारिक कार्य यात्रा के लिए स्वागत किया। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र और गतिशील लोकतंत्रों के नेताओं के रूप में भारत-अमेरिका साझेदारी की ताकत की पुष्टि की, जो स्वतंत्रता, मानवाधिकार, कानून और बहुलवाद का सम्मान करते हैं। आपसी विश्वास, साझा हित, सद्भावना और सक्रिय नागरिक भागीदारी इस व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की नींव के रूप में काम करते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी ने ₹यू.एस. इंडिया कॉम्पैक्ट₹ नामक एक बिल्कुल नया कार्यक्रम पेश किया, जिसका अर्थ है ₹सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना₹, जिसका उद्देश्य इक्कीसवीं सदी में सहयोग के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांति लाना है। रणनीतिक और आर्थिक वातावरण लगातार अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों द्वारा नया रूप ले रहे हैं। कई क्षेत्रों में, भारत के बढ़ते नवाचार और अमेरिका की तकनीकी श्रेष्ठता एक दूसरे से मिलती है। भारत को $45 बिलियन के अधिशेष से लाभ होने के साथ, द्विपक्षीय व्यापार $118 बिलियन से ऊपर चला गया। प्रगतिशील आर्थिक सम्बंधों के माध्यम से, यह साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को नया रूप देती है, सुरक्षा में सुधार करती है और आपसी विकास को बढ़ावा देती है। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सभी में वृद्धि हुई है। संचार संगतता और सुरक्षा समझौता और बेसिक एक्सचेंज ऐंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट जैसे महत्त्वपूर्ण समझौते, जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रक्षा रसद में घनिष्ठ सहयोग की गारंटी देते हैं, पर अमेरिका और भारत ने हस्ताक्षर किए हैं। लक्षित सैन्य अभियानों के लिए भारत को अमेरिकी भू-स्थानिक खुफिया जानकारी तक पहुँच प्रदान करके, 2020 बेसिक एक्सचेंज ऐंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट समझौते ने हिंद महासागर क्षेत्र में स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार किया। महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल जैसी पहलों ने सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्त्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग को मजबूत किया है। भारत और माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने 2.75 बिलियन डॉलर का सेमीकंडक्टर प्लांट बनाने के लिए मिलकर काम किया, जो आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ाएगा। अमेरिकी हाइड्रोकार्बन के एक महत्त्वपूर्ण आयातक के रूप में, भारत हरित ऊर्जा स्रोतों पर स्विच करने में सहायता करता है। तेल आयात के मामले में, संयुक्त राज्य अमेरिका 2024 में 413.61 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहा। लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएँ, विशेष रूप से आवश्यक वस्तुओं के लिए, चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के दोनों देशों के प्रयासों का लक्ष्य हैं। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका क्वाड राष्ट्रों का हिस्सा हैं। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता में मुख्य बाधा टैरिफ विवाद है। भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं, विशेष रूप से कृषि और तकनीकी क्षेत्रों पर उच्च टैरिफ लगाए जाने से व्यापार संतुलन प्रभावित होता है और वार्ता अक्सर बाधित होती है।

मादक पेय पदार्थों पर भारत द्वारा लगाए गए 150 प्रतिशत टैरिफ ने अमेरिकी निर्यातकों की बाजारों तक पहुँच को प्रतिबंधित करने के लिए अमेरिका की आलोचना की है। भारत में जेनेरिक दवा उद्योग सुलभ दवा की गारंटी के लिए अधिक संतुलित रणनीति का पक्षधर है, जबकि अमेरिका मजबूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा चाहता है। बौद्धिक संपदा सुरक्षा के बारे में चिंताओं के कारण अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भारत को अपनी ₹प्राथमिकता निगरानी सूची₹ में रखा। ई-कॉमर्स विनियमों और प्रस्तावित डेटा स्थानीयकरण कानूनों पर भारत की अलग-अलग स्थिति अमेरिकी हितों के विपरीत है। गूगल और अमेजन जैसे अमेरिकी निगमों द्वारा इस बारे में चिंता व्यक्त की गई थी कि भारत का व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक सीमा पार डेटा प्रवाह को कैसे सीमित करेगा। अमेरिका और भारत के बीच $45 बिलियन का व्यापार घाटा बाजार पहुँच बढ़ाने और टैरिफ कम करने के लिए अमेरिकी दबाव को प्रेरित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने घुटने के प्रत्यारोपण और स्टेंट जैसे चिकित्सा उपकरणों पर कम टैरिफ का अनुरोध करके व्यापार असंतुलन को कम करने की मांग की। भारत के फाइटोसैनिटरी नियम जो अमेरिकी कृषि उत्पादों को प्रतिबंधित करते हैं, इस क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार में बाधा डालते हैं। चूंकि व्यापार वार्ता ने रक्त भोजन युक्त पशु आहार के मुद्दे को हल नहीं किया है, इसलिए भारत ने अमेरिकी डेयरी आयात को प्रतिबंधित कर दिया है। एलएनजी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग अमेरिका की एक प्रमुख उत्पादक के रूप में स्थिति और भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के कारण संभव हुआ है। उदाहरण के लिए, इस तरह की साझेदारी भारत को ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस के अनुपात को मौजूदा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर कुल प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण का 15 प्रतिशत करने के अपने लक्ष्य तक पहुँचने में मदद करेगी। लाभकारी शर्तों पर रक्षा हार्डवेयर का सह-उत्पादन रणनीतिक सम्बंधों को मजबूत करते हुए भारत की अन्य देशों पर निर्भरता को कम कर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और जनरल इलेक्ट्रिक ने भारत में लड़ाकू जेट इंजन के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष अन्वेषण जैसी महत्त्वपूर्ण तकनीकों में घनिष्ठ सम्बंधों द्वारा सहयोगी नवाचार के अवसर प्रदान किए जाते हैं। सहकारी अंतरिक्ष अन्वेषण और चंद्र मिशन के लिए आर्टेमिस समझौते में भारत को भागीदार के रूप में स्वीकार किया गया था। घरेलू उत्पादन बढ़ाने के भारत के प्रयास अमेरिका की ₹चीन+1₹ नीति के पूरक हैं, जो मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं में साझा उद्देश्यों को बढ़ावा देते हैं। उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के माध्यम से भारत में उत्पादन बढ़ाकर, एप्पल और सैमसंग ने चीनी कारखानों पर अपनी निर्भरता कम कर दी। एक ऐसा समझौता जो अधिक व्यापक है, उसे सीमित व्यापार समझौते द्वारा सुगम बनाया जा सकता है जो बाजार पहुँच में सुधार और टैरिफ विवादों को निपटाने पर केंद्रित है। भारत और अमेरिका ने कई औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने पर सहमति व्यक्त की, जो एक व्यापक समझौते की संभावना का संकेत देता है। व्यापार असंतुलन को हल करके विश्व स्थिरता की नींव एक मजबूत भारत-अमेरिका गठबंधन हो सकता है।

नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रारंभ प्रतिष्ठान प्रमुख ने संगम में लगाई डुबकी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। अक्षय पूर्ण फल देने वाली वाली माघी पूर्णिमा के अवसर पर 144 वर्ष पश्चात अद्भुत अनूठे बने संयोग में विश्व के सबसे बड़े धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के बीच उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद की पावन बनी धरती त्रिवेदी तट संगम नगरी तीर्थ क्षेत्र प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान पालघर जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी, नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा पालघर जिला सचिव तथा प्रारंभ प्रतिष्ठान महाराष्ट्र प्रदेश प्रमुख सत्यप्रकाश सिंह ने सपरिवार अमृत स्नान करने हेतु पावन गंगा जी में डुबकी लगाई। पवित्र गंगा की अविरल धारा में स्नान ध्यान करने के पश्चात सभी इष्टमित्र, शुभचिंतकों और स्नेहीजनों के जीवन में सुख,शांति समृद्धि, कल्याण जैसे पूर्ण फल प्राप्ति के लिए पूजा अर्चना करते हुए मां गंगा से आशीर्वाद मांगा। नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा पालघर जिला सचिव तथा प्रारंभ प्रतिष्ठान महाराष्ट्र प्रदेश प्रमुख सत्यप्रकाश सिंह ने संबंधियों और सहयोगियों के लिए मां गंगा के त्रिवेणी संगम का अमृत पावन जल लेकर लौट रहे हैं।

आयुष विभाग की ओर से मनाया गया यूनानी दिवस

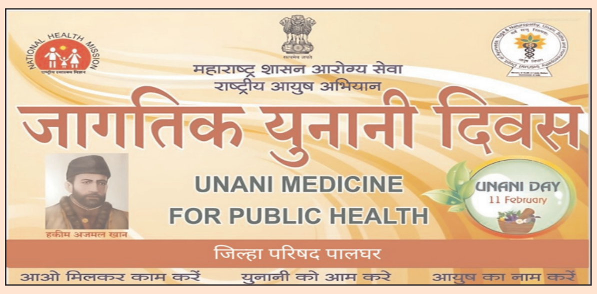

पालघर(उत्तरशक्ति)। आयुष विभाग की ओर से पालघर जिला अंतर्गत स्थित उपजिला अस्पताल दहानू में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर यूनानी दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन वैद्यकीय अधिकारी/संस्था प्रमुख डॉ.बालाजी हिंगणे के हाथों किया गया। इस अवसर पर डॉ.प्रभाकर भोये (प्रमुख मार्गदर्शक), डॉ. इहतिशाम खान (आयुष वैदयकिय अधिकारी,-युनानी), हकिम अजमल खान (मार्गदर्शक) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।डॉ.प्रभाकर भोये ने सभी से आयुष चिकित्सा पद्धति का लाभ उठाने का आह्वान किया। डॉ. इहतिशाम खान ने इस चिकित्सा पद्धति के बारे में विस्तार पूर्वक मार्गदर्शन किया।हकिम अजमल खान ने यूनानी दिवस के बारे में जानकारी दी तथा यूनानी औषधि के महत्व व इतिहास के बारे में जानकारी साझा किया।

वर्सोवा में फायर ब्रिगेड स्टेशन बनाने की किया मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस महासचिव व उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के कार्याध्यक्ष एड.अवनीश तीर्थराज सिंह ने वसोर्वा विधानसभा क्षेत्र में फायर ब्रिगेड बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जोगेश्वरी (पश्चिम) के ओशिवारा फर्नीचर मार्केट में गत दिनों भीषण आग लगने की घटना हुई जिसमें कई फर्नीचर गोदाम जलकर राख हो गए और ये घटना पहली बार नहीं हुई है ऐसी कई घटनाएं पिछले कई सालों से ओशिवारा और वसोर्वा क्षेत्र में हुई जिसमे फायर ब्रिगेड नजदीक ना होने से भारी नुकसान होता है। अवनीश सिंह ने कहा कि डीपी प्लान के अनुसार फायर ब्रिगेड स्टेशन के निर्माण के लिए चित्रकूट मैदान के पास आरक्षित जगह दिया गया है। सिंह ने वसोर्वा विधानसभा निवासियों की सुरक्षा के लिए मनपा आयुक्त व फायर ब्रिगेड विभाग को पत्र लिख कर आरक्षित जगह पर फायर स्टेशन बनाने की मांग की है। यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह ने दी है।

महाशिवरात्रि पर कोण्डेश्वर महादेव मंदिर में भजन-भंडारा

बदलापुर(उत्तरशक्ति)। आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर कोण्डेश्वर महादेव मंदिर में भव्य भजन-भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह प्राचीन सिद्ध मंदिर, जो पांडव काल से स्थापित माना जाता है, श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है।

हर वर्ष की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने यहां दूर-दूर से पहुंचेंगे। मंदिर ट्रस्ट द्वारा दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मुफ्त मेडिकल चेकअप और दवा वितरण की भी व्यवस्था की गई है। मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख प्रभाकर म्हात्रे चंद्रकांत सुरोशे व पुजारी राजाराम ने सभी श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में पधारने और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

उत्तर भारतीय संघ भवन में जस्टिस गुमानमल लोढ़ा और प्रेम कंवर लोढ़ा के नाम पर लैब का उद्घाटन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के माता-पिता न्यायमूर्ति गुमानमल लोढ़ा और प्रेम कंवर लोढ़ा के नाम पर बांद्रा पूर्व उत्तर भारतीय संघ भवन स्थित एमपीएसपी डिग्री कॉलेज में रसायन प्रयोगशाला (केमिस्ट्री लैब) का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। प्रयोगशाला का उद्घाटन करते हुए मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि जल्द की कॉलेज परिसर में एक कौशल विकास केंद्र भी शुरू किया जाएगा। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने अपने माता-पिता के नाम पर रसायन प्रयोगशाला शुरू करने के लिए उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की शुरूआत में सबसे पहले बांके राम तिवारी और बाबू आरएन सिंह को याद किया गया। लोढ़ा ने आने वाले समय में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की बढ़ती भूमिका को प्रतिपादित करते हुए कहा कि उत्तर भारतीय संघ भवन के शुरू होने वाले कौशल विकास केंद्र में एआई प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था की जाए। इसके लिए कंप्यूटर खरीदने के लिए उन्होंने एक लाख एक हजार रुपए देने की घोषणा की। उत्तर भारतीय संघ के युवा अध्यक्ष संतोष सिंह की तारीफ करते हुए लोढ़ा ने कहा कि वे सुरक्षा, पत्रकारिता और समाजसेवा में नंबर वन हैं। बाबू आरएन सिंह के काम को वे बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने कहा कि वे भाषण देने में नहीं, काम करने में विश्वास रखते हैं। आज सौभाग्य की बात है कि कॉलेज की रसायन प्रयोगशाला को न्यायमूर्ति गुमानमल लोढ़ा और प्रेम कंवर लोढ़ा का नाम मिला है। समाज के लिए न्यायमूर्ति गुमानमल लोढ़ा ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। वे न्यायमूर्ति से लेकर सांसद रहे और हिंदुओं को एकजुट किया। मंगल प्रभात लोढ़ा की तरफ से हमेशा परिवार की तरह प्रेम मिला है। कार्यक्रम को रमेश बहादुर सिंह ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के महासचिव देवेंद्र तिवारी ने किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग उपस्थित थे।

विधायक संजय उपाध्याय का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज मुंबई में सबसे अधिक मतों से विजई होने वाले बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा उपाध्यक्ष समाजसेवी मानिकचंद यादव उपस्थित रहे।

संजय उपाध्याय ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए सम्मान के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांग्रेसी नेता जेपी यादव के बेटे की शादी में शामिल हुए गणमान्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय समाज में लोकप्रिय युवा कांग्रेसी नेता जेपी यादव के बेटे यश यादव की शादी समारोह में महानगर के अनेक जाने वाले लोग शामिल हुए। लोखंडवाला, अंधेरी पश्चिम स्थित सेलिब्रेशन क्लब में आयोजित भव्य कार्यक्रम में यश और प्रियंका को आशीर्वाद देने वाले प्रमुख लोगों में पूर्व विधायक बलदेव खोसा, विधायक अरुन खान, पूर्व उप महापौर राजेश शर्मा, यादव संघ,मुंबई के अध्यक्ष एडवोकेट अजय यादव, राजुल पटेल, बाला आंबेकर, राजू पेडणेकर, मोहसिन हैदर , चंगेज मुल्तानी, यश के दादा पूर्व प्रधान राम पलट यादव, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे पत्रकार राजेश उपाध्याय आदि का समावेश रहा। जेपी यादव और उनकी धर्मपत्नी तारामती यादव ने आए हुए समस्त लोगों का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया।

स्फूर्तिगीत के माध्यम से संगठन को बढ़ाने का भाजपा का प्रयास

मुंबई। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी में अभी संघटन दौर शुरू है, जिसके तहत पार्टी ने 1.5 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है और विभिन्न माध्यमों से महाराष्ट्र की जनता तक भाजपा की विचारधारा पहुंचाने और उन्हें पार्टी की ओर आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की अवधारणा पर भाजपा स्फूर्तिगीत बनाया गया है। इस स्फूर्तिगीत का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय देवेंद्रजी फडणवीस के शुभ हाथों से किया गया। मुंबई में बीजेपी के सदस्यता महाअभियान 2025 के अंतर्गत आयोजित संगठन पर्व कार्यशाला के दौरान इस स्फूर्तिगीत का विमोचन किया गया।

भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। पहले राष्ट्र, फिर पार्टी और अंत में स्वयं यह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा रही है। इस विचारधारा को आम जनता तक पहुचाने के लिए और देश के प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पार्टी को अधिक से अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए भाजपा संगठन को मजबूत करने का काम कर रही है। भाजपा पार्टी देश को विकास की दिशा देने के लिए काम कर रही है, इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए स्फूर्तिगीत के विचार को लागू करने का निर्णय लिया है, ऐसा भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा। भाजपा ने इस प्रेरणादायी स्फूर्तिगीत के माध्यम से भाजपा के उज्ज्वल भारत के विजन को, उसकी कार्यशैली, उसके नेताओं और कार्यकताओं की निष्ठा और पार्टी के प्रति उनके समर्पण को खूबसूरती से वर्णित और चित्रित करने का प्रयास किया है। भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने विश्वास व्यक्त किया कि यह गीत निश्चित रूप से अनेक बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से सभी कार्यकताओं में अपनी पार्टी के प्रति सम्मान और प्रेरणा बढ़ाएगा।

रवींद्र चव्हाण ने कहा कि यह स्फूर्तिगीत भाजपा संघटन को बढ़ाने का एक कलात्मक प्रयास है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की है कि वे भाजपा के इस प्रेरक संदेश को पार्टी संगठन और सोशल मीडिया के माध्यम से महाराष्ट्र के कोने-कोने तक पहुंचाएं।

पालघर में नाका श्रमिकों के पीछे शिवसेना दृढ़ता से खड़ी रहेगी : कुंदन संखे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पिछले कई वर्षो से लगातार सेवाएं प्रदान करते हुए नाका श्रमिकों ने अपनी सेवा के माध्यम से पालघर शहर के निर्माण में एक बड़ा योगदान दिया है। उनके ठहरने वाली जगह से हटाए जाने पर सभी श्रमिक शिवसेना शिंदे गुट के पास न्याय दिलाने की मांग लेकर आये।

महाराष्ट्र की जनता की निर्बाध रूप सेवा करने वाले सर्वमान्य नेता शिवसेना प्रमुख व महाराष्ट्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जनता को न्याय दिलाने में अपनी सर्वोपरि भूमिका निभाई है। इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए शिवसेना शिंदे गुट के जिला अध्यक्ष कुंदन संखे ने नाका श्रमिकों के विषय को लेकर संबंधित जिला ट्रैफिक पुलिस अधिकारी व पालघर पुलिस निरीक्षक के साथ बातचीत कर श्रमिकों के उपरोक्त विषय के निराकरण हेतु प्राथमिकता से प्रयत्न किया और उनकी परेशानियों को दूर कराया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष कुंदन संखे ने कहा कि ऐसे असंगठित श्रमिक विकास कार्यों में योगदान देने वाले नाका श्रमिकों के साथ शिवसेना हमेशा खड़ी रहेगी।

इस अवसर पर शिवसेना शिंदे गुट पालघर जिला अध्यक्ष कुंदन संखे के साथ प्रवक्ता केदार काले, दहानू विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सुनील ईभाड उपस्थित थे।

लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने की तैयारी, फडणवीस सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों के खिलाफ नए कानून के कानूनी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामले, कानून और न्यायपालिका, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभागों के सचिव और गृह विभाग के उप सचिव शामिल हैं। सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने पिछले दिनों कहा था कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में बनाए गए समान कानूनों के बाद, महाराष्ट्र जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून लाने की योजना बना रहा है।

समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों के लिए सांख्यिकीय साक्ष्य का अभाव है और वह इसे 'जिहाद' का नाम देकर जबरन धर्मांतरण के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। जीआर ने समिति की जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया: वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना, 'लव जिहाद' और जबरन धार्मिक रूपांतरण के बारे में शिकायतों को संभालना, अन्य राज्यों के कानूनों की जांच करना, कानूनी ढांचे की स्थापना करना और कानूनी निहितार्थों की समीक्षा करना।

दस्तावेज में 'लव जिहाद' और जबरन धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए जन प्रतिनिधियों, संगठनों और नागरिकों के अनुरोधों का उल्लेख किया गया है। समिति वर्तमान परिस्थितियों का विश्लेषण करेगी और उपयुक्त कानून विकसित करने के लिए अन्य राज्यों में मौजूदा कानूनी संरचनाओं का अध्ययन करते हुए 'लव जिहाद' शिकायतों और जबरन धर्मांतरण के संबंध में उपायों की सिफारिश करेगी। शेख ने कहा, ₹इससे पहले सरकार यह कहते हुए एक प्रस्ताव लेकर आई थी कि राज्य में 'लव जिहाद' के एक लाख से अधिक मामले हैं, लेकिन उन्हें एक भी उदाहरण नहीं मिला जहां वे पुलिस मामला दर्ज कर सकें। ऐसे किसी भी दावे का समर्थन करने के लिए कोई डेटा उपलब्ध नहीं है, और मैंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। सरकार इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है।

डॉ. आरए तिवारी फाऊंडेशन द्वारा स्थापना दिवस और सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की प्रमुख सामाजिक, साहित्यिक तथा सांस्कृतिक संस्था डॉ आरए तिवारी फाउंडेशन द्वारा 23 फरवरी को शाम 3:30 बजे से जौनपुर जनपद के मड़ियाहूं तहसील अंतर्गत स्थित ग्राम धीरपुर(विजयगिर) में सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में, डॉ हृदय नारायण मिश्र को पंडित अवधनारायण तिवारी जीवन गौरव सम्मान, शिक्षाविद डॉ प्रीति द्विवेदी को श्रीमती सीतादेवी तिवारी जीवन गौरव सम्मान, शिक्षाविद तथा उद्योगपति शिवसागर तिवारी को पंडित भगवान प्रसाद तिवारी लोक सेवा सम्मान तथा वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी मंगलेश्वर (मुन्ना) त्रिपाठी को पंडित चंद्रिका प्रसाद तिवारी लोक सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ वशिष्ठ द्विवेदी अनूप उपस्थित रहेंगे। संस्था के चेयरमैन तथा प्रबंध ट्रस्टी डॉ राधेश्याम तिवारी तथा मंत्री डॉ शिवश्याम तिवारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में उपरोक्त जानकारी दी गई है। सुबह 10 बजे से दोपहर 1: 30 बजे तकश्री सत्यनारायण महापूजा , हवन आरती, पूजा अर्चना तथा प्रसाद वितरण के साथ श्री अंबे मां धाम का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया है।

भारत वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है: अमित शाह

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देवभूमि उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेल समापन समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में गृहमंत्री जी ने कहा कि भारत वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है। भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार होने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

यदि ऐसा होता है तो यह देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा, क्योंकि यह पहली बार होगा जब भारत ओलंपिक जैसे वैश्विक खेल आयोजन की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीतियाँ बनाई जा रही है।

भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी भी प्रस्तुत कर दी है।

देश की इस दावेदारी को मजबूती देने के लिए कई स्तरों पर योजनाएँ बनाई जा रही हैं। अहमदाबाद के निकट बनने वाले स्मार्ट ओलंपिक सिटी को संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी विभिन्न खेलों के आयोजन की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में खेल अवसंरचना को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। स्टेडियमों का नवीनीकरण, नए खेल परिसरों का निर्माण, और खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास इस दिशा में अहम कदम हैं। भारत में ओलंपिक खेलों की मेजबानी से भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ मिल सकता है। पर्यटन, व्यापार, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्र में भारी वृद्धि होने की संभावना है। इसके साथ ही, यह आयोजन भारतीय युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा और देश में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'खेल मित्र' कहकर संबोधित करते हैं। जो उनके प्रति सम्मान को दशार्ता है। इस संकल्पना का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को समर्थन देना है, बल्कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करना भी है।

सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। यह पहल भारतीय खेल संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाएगी।

लिवप्योर की तीसरी तिमाही में 34% की जबरदस्त वृद्धि

मुंबई। भारत के ऑफलाइन सेगमेंट में अग्रणी वॉटर प्यूरीफायर ब्रांड लिवप्योर ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में पिछले साल की तुलना में 34% की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। लिवप्योर ऑफलाइन एम्बेडेड सर्विस मार्केट में नंबर वन वॉटर प्यूरीफायर ब्रांड बन गया है, जिससे उसकी इंडस्ट्री में पकड़ और भी मजबूत हो गई है।

कंपनी का लगातार इनोवेशन, ग्राहक-केंद्रित रणनीतियाँ और बेहतरीन संचालन इस शानदार प्रदर्शन के पीछे की मुख्य वजहें रही हैं। हमारा ध्यान बेहतर कामकाज और ग्राहकों को अधिक मूल्य देने पर है, जिसका नतीजा यह है कि तीसरी तिमाही में एबिटा में 149% की साल-दर-साल वृद्धि हुई है। लिटमस के अनुसार 81 के इंडस्ट्री-लीडिंग नेट प्रमोटर स्कोर के साथ, लिवप्योर वॉटर प्यूरीफिकेशन और होम सॉल्यूशंस के लिए एक विश्वसनीय ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर रहा है।

लिवप्योर की जबरदस्त ग्रोथ अलग-अलग बिक्री चैनलों में साफ दिखाई देती है।

जनरल ट्रेड में 108% की ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की गई, जबकि मॉडर्न ट्रेड में 32% की बढ़त हुई।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

खेल से व्यक्तित्व और भविष्य का होता है निर्माण: गिरीश चंद्र यादव

एस.पी. इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक उत्सव उड़ान का भव्य आयोजन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा और संस्कृति के संगम का प्रतीक एस. पी. इंटरनेशनल स्कूल, सरकी में इस वर्ष भी वार्षिक उत्सव उड़ान झ द गोल्डन विंग्स ऑफ सक्सेस का शुक्रवार की देर रात तक भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, राजनीति और उद्योग जगत की कई नामचीन हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के युवा एवं खेल विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि खेल सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर खुलते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।और खेल इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सफल होने के लिए शारीरिक और मानसिक मजबूती आवश्यक है। जिसे खेलों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है। छात्रों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन वार्षिक उत्सव उड़ान में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, नाटक, संगीत और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. पी. यादव ने कार्यक्रम को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि उड़ान केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों को पंख देने का संकल्प है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उद्योगपति राम प्रसाद गुड्डू यादव चेयरमैन धर्मा इंजीनियरिंग ग्रुप, गुजरात, अतुल कुमार सिंह बब्लू, जयप्रकाश सिंह उर्फ डब्लू, वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र प्रताप सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामकृपाल यादव, कमलकांत यादव, अर्पित यादव ने सभी सम्मानित अतिथियों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उमाकांत सिंह, रमेश सिंह, लिम्बू, रामपाल, संतोष सिंह, प्रेमप्रकाश यादव, राजेश यादव सहित आदि गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शैलजा स्थाना व सरन ने किया।

सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत, 19 घायल

महाकुंभ स्नान करने आ रहे थे प्रयागराज, हादसे में बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज-मीरजापुर हाईवे पर मेजा क्षेत्र के मनु का पूरा के पास शुक्रवार की देर रात सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गयी जबकि 19 लोग घायल हो गये। मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के कोरबा से सभी लोग महाकुंभ स्नान करने आ रहे थे प्रयागराज हादसे में बोलेरो बुरी तरह से हो गई डैमेज, जान गंवाने वाले सभी यात्री बोलेरो में थे सवार घायल हुए 19 लोग बस में थे सवार जो कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले है वि संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे।किसी का हाथ टूटा तो किसी का सिर फट गया। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए, शवों को बोलेरो से निकालने में ढाई घंटे का लगा समय मरने वाले छत्तीसगढ़ के कोरबा के दर्री और जांजगीर चांपा जिले के रहने वाले थे,दो परिवार के लोग साथ में आए थे। छत्तीसगढ़ के कोरबा के रहने वाले ईश्वरी जायसवाल, संतोष सोनी, भागीरथी, सोमनाथ, अजय बंजारे, सौरभ सोनी, गंगा दास वर्मा, शिवा राजपूत, दीपक वर्मा और राजू साहू के रूप में हुई है मरने वालों की पहचान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत कार्य में तेजी लाने तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का उचित इलाज करने का दिया निर्देश मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की की कामना।

विद्यालय आवंटन का फॉर्म भरने के बाद भी नियुक्ति के लिए भटक रहे हैं एलटी ग्रेड जीआईसी 2018 के चयनित छात्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में एलटी ग्रेड के शिक्षक (सहायक अध्यापक) व जीआईसी प्रवक्ता के 520 पदों पर चयनित अभ्यर्थी जिनका परिणाम 28 जून 2023 व प्रमाणपत्र सत्यापन 17 जुलाई से 24 जुलाई 2023 तक उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने करवाया। 23दिसंबर से 27 दिसंबर 2024 तक विद्यालय आवंटन के विकल्प तो भरवा लिया गया लेकिन नियुक्ति पत्र परिणाम के करीब 2वर्ष पूर्ण होने पर भी अभी तक नियुक्ति नहीं हो पाई है ।चयनित अभ्यर्थी शिक्षा निदेशालय प्रयागराज, शिविर कार्यालय लखनऊ दोनों जगहों पर संबंधित अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं ! अधिकारी गण शासन के पास मसला विचाराधीन है कह कर अपना पल्ला छुड़ा ले रहे है। इसलिए चयनित अभ्यर्थी न्याय हेतु माननीय मुख्यमंत्री के जनता दरबार में भी कई बार अपनी गुहार लगा चुके है लेकिन अब तक चयनितों को मात्र कोरा आश्वासन मिला है।अतः समस्त चयनितअभ्यर्थी ?माध्यमिक शिक्षा निदेशालय शिवर कार्यालय लखनऊ? पर अनवरत धरने पर बैठ गए हैं अभ्यर्थियों का कहना है जब तक नियुक्ति पत्र का कोई ठोस आश्वासन हमें मिल नहीं जाता, तब तक हम लोग धरने से नहीं हटेंगे। धरने पर बैठे अभ्यर्थियों में मुख्यतः निशी सिंह, सुजाता सिंह, रेणु सिंह, प्रियंका दीक्षित, नाजनीन, साइन जहां, शिवानी शर्मा, विंदू मौर्य, कोमल, शिखा साधना, ममता, रंजू, श्वेता, शिखा, स्नेहलता, रिशु सिंह, श्याम नारायण, राकेश चन्द्र, संजय पाठक, आशीष सिंह, महावीर, गणेश, संजय, अवधेश, डॉ.उमेश चंद्र यादव, अखिलेश कुमार पांडेय, अवधेश यादव, छत्रपाल, सत्य किशोर सिंह सहित सैकड़ों अभ्यर्थी शामिल रहे।

खेतासराय पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर अरविन्द कुमार वर्मा एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में उ0नि0 अनिल कुमार पाठक थाना खेतासराय मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 38/2025 धारा 305/331(4) बी.एन.एस. थाना खेतासराय जनपद जौनपुर, का सफल अनावरण करते हुये चोरी गयी 08 डिब्बा सिगरेट,02 पैकेट गुटखा व 9500 रु0 नगद के साथ अभियुक्त अल्तमश पुत्र स्व0 मल्लू निवासी वार्ड नं0-1 सरवरपुर जिला जौनपुर उम्र करीब 42 वर्ष को मुखबीर की सूचना पर समय करीब 03.10 बजे अभियुक्त के घर से गिरफ्तार कर चोरी गयी समान को बरामद किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुये अभियुक्त को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुये न्यायलय भेजा गया।

सरकारी डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस से रोकेंगे डीएम

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। प्रदेश के सरकारी डॉक्टर और चिकित्सा शिक्षक अब नहीं कर पाएंगे प्राइवेट प्रैक्टिस,ऐसे डाक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी है ।निजी प्रैक्टिस को प्रतिबंधित करने के लिए प्रदेश सरकार ने उठाया है महत्वपूर्ण कदम,सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को हर हाल में निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने के दिए गए हैं निर्देश, इस संबंध में गुरुवार को चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने आदेश जारी किया है। इसमें सभी डीएम, पुलिस आयुक्तों और सीएमओ को निर्देश दिया है कि वे राजकीय चिकित्सा शिक्षकों और सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस की जांच करें। यदि कोई भी इस काम में लिप्त पाया जाता है तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति शासन को करें। यह संस्तुति हर हाल में 20 फरवरी तक कर दी जाए। इस आदेश के फलस्वरूप अब राजकीय चिकित्सा शिक्षकों व चिकित्सकों को अपनी निजी प्रैक्टिस बंद करनी होगी। यदि कोई भी इसमें लिप्त पाया जाता है तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। शासन ने यह आदेश हाईकोर्ट के निजी प्रैक्टिस को लेकर दिए गए आदेशों के क्रम में किए गए हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी को होनी है।

काशी में महाकुंभ की भीड़ में गुम हुआ तेलंगाना के दंपति का बेटा

जिलाधिकारी के प्रयास से आधे घंटे में मिला

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महाकुंभ की भीड़ के मद्देनजर शुक्रवार को जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने अफसरों संग गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे सहित आसपास के क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण किया। इस दौरान तेलंगाना से आए दंपति के बिछड़े पांच वर्षीय बच्चे को ढूंढकर उसके परिजनों से मिलवाया। जिसके बाद पर्यटक ने डीएम को धन्यवाद देते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने पैदल चलकर काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार से मंदिर पहुँचे। इसके बाद चौक की तरफ भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने थाना कोतवाली और मैदागिन चौराहे पर एक एक मेडिकल टीम लगाने के लिए सीएमओ को निर्देशित किया। इस दौरान तेलंगाना के एक दंपत्ति के रेवंत रेड्डी नाम का पाँच वर्षीय पुत्र भीड़ में गुम हो गया, जिसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बच्चे को ढूँढने के लिए पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया और आधे घंटे में बच्चे को सुरक्षित खोज लिया गया व दम्पति को सौंपा गया। दंपति ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

दबंगों ने महिला को दरवाजे पर चढ़कर पीटा, हाथ टूटा

मोहम्मद असलम खान, केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली के थानागद्दी चौकी अंतर्गत जाखियां ग्राम में बीती रात दबंगों ने एक महिला के घर पर चड़ कर मारपीट किया और महिला का हाथ तोड़ दिया। उक्त ग्राम निवासिनी परमिला ने बताया कि वह अपने घर के बाहर बकरी बांधने के लिए खुटा गाड़ी थी और शाम को झाड़ू लगा ही रही थी कि पड़ोस के ही मन बढ़ किस्म के झाड़ू लगाने से मना करने लगे और गाली देते हुए कहा इधर झाड़ू मत लगाओ ।विरोध करने पर परमिला का मारपीट कर हाथ फ्रेचर कर दिया। जान से मारने की धमकी देते हुए मोबाइल लेकर चले गए,बाद में मोबाइल फेंक दिया। पीड़ित महिला परमिला के पति जब घर आए तो उसने आप बीती सारी बात बताई, पति संग तो पहले पीड़ित थानागद्दी चौकी पर गई वहाँ उसे निराशा हाथ लगी तो केराकत कोतवाली पहुची वहाँ भी उसकी न सुनी गई ।तो पुलिस कप्तान जौनपुर के पास रात को ही 11 बजे पहुँच जान बचाने की गुहार लगायी ।आश्वासन देने के बाद पुलिस कप्तान के निर्देश पर केराकत कोतवाली से पीड़ित को सुबह 8:30 बजे बुलाया गया। जहाँ उसे दोपहर तक बैठा कर मानसिक शोषण किया जा रहा था। खबर लिखे जाने तक पीड़ित का नाही मुकदमा लिखा गया। न ही कोई मेडिकल मुआयना कराया गया। बता दे की थानागद्दी चौकी काफी दिनों से उपरोक्त जैसे मामलों में चर्चा में रहता है। पीड़ित का ही शोषण थानागड्डी चौकी में आम बात है।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के ओझापुर गांव की एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज में प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उक्त थाना क्षेत्र के ओझापुर गांव निवासी 24 वर्षीया रूबी प्रजापति पत्नी जयेश प्रजापति की विवाह 22 अप्रैल 2024 में हुई थी। विवाहिता 2 माह की गर्भवती थी। उसका मायका खानपुर उग्रसेनपुर दांडी थाना सराय ममरेज प्रयागराज में है। शुक्रवार की रात विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से परिजनों में कोहराम मच गया। मायके वालों को विवाहिता की मौत का सूचना ससुराल वालों ने दे दिया। बताया जाता है कि विवाहिता कुछ दिनों से बीमार चल रही थी कल रात परिजनों द्वारा खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए जहां विवाहित रूबी के पेट में दर्द शुरू हुआ जो धीरे-धीरे तेज होता गया। इसी दौरान विवाहिता ने अपने मायके मां से भी फोन पर बात किया लेकिन थोड़ी देर में ही जब उसके पेट का दर्द तेज हो गया तो परिजन उसे उठाकर एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए ले गए लेकिन इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने लाश को घर ले जाकर मायके समेत थाना बरसठी को सूचना दिया। रात में पुलिस घर नहीं पहुंची। सुबह मृतका के पिता और भाई समेत अन्य लोग बरसठी थाने पहुंचकर दहेज में प्रताड़ित करने और मार डालने का आरोप लगाते हुए पुलिस के साथ विवाहिता के ससुराल पहुंचे जहां पर पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया मृतका के पिता मानिकचंद ने तहरीर दिया है कि पोस्टमार्टम में मौत किस प्रकार हुई है इसकी जानकारी हो जाए, तब हम कोई अग्रिम कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

मजदूर का एकलौता पुत्र फांसी पर झूला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र के गांव मधईपुर में एक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। मजदूरी करने वाले दंपति के किशोर और इकलौते बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश सरोज और उनकी पत्नी प्रमिला मुंबई में एक कंपनी में मजदूरी करते हैं। उनके छह बच्चों में से पांच बेटियां और एक बेटा था। एक बेटी की 10 साल पहले मृत्यु हो चुकी थी, जबकि दो बेटियों की शादी हो चुकी है। घटना शनिवार को उस समय हुई, जब आदर्श की दादी धनदेइ और दो बहनें घर पर नहीं थीं। 14 वर्षीय आदर्श ने घर के सामने लगे छप्पर में बांस के सहारे नायलॉन की रस्सी से फांसी लगा ली। करीब आधे घंटे बाद जब परिवार के सदस्य घर लौटे, तो उन्होंने आदर्श को फांसी पर लटका देखा। उनकी चीख-पुकार सुनकर आस-पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना से कुछ दिन पहले आदर्श को उसकी बड़ी बहनों ने पढ़ाई को लेकर डांटा था। माना जा रहा है कि इसी बात से नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। फरवरी के पहले सप्ताह में ही उसके माता-पिता घर आए थे और 12 फरवरी को वापस मुंबई लौट गए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इकलौते बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

बनारस सहित 7 शहरों में बाईपास को मंजूरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को लखनऊ की 1028 करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण, शिलान्यास के बाद विकास नगर मिनी स्टेडियम में आयोजित एक सभा में यूपी के रोड नेटवर्क के लिए खजाना खोल दिया। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यूपी को ग्रोथ इंजन बनाने के लिए 70000 करोड़ से 9 ग्रीनफील्ड बनाने का काम चल रहा है। कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, वाराणसी, प्रतापगढ़ में बाईपास को मंजूरी दी है। उन्होंने घोषणा की है कि 1200 करोड़ से प्रयागराज से वाराणसी तक 125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग सिक्स लेन होगा। 22 हजार करोड़ से वाराणसी-कोलकाता ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का काम दिसंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा। रायबरेली-जौनपुर के बीच भी सिक्सलेन होगा। जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर में दो लेन का बाईपास बनेगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर से सिलीगुड़ी और वाराणसी से कोलकाता सिक्स लेन का भूमि पूजन जल्दी करेंगे। गडकरी ने विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा। मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि एनएचआई टोल घोटाला करने वालों की पोल योगी जी ने ही खोली।

धूमधाम से मनाया गया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भरौली स्थित मां राजदेई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। छात्रों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने छात्रों की प्रतिभा देख विद्यालय की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे सांसद बाबू सिंह कुशवाहा और प्रदेश के पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। छात्राओं ने स्वागत गीत के माध्यम अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। देशभक्ति से ओतप्रोत छात्राओं ने अनेक मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। सांसद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि शिक्षा से समाज और देश का विकास होगा। भरोसा दिलाया कि अपने संसदीय क्षेत्र में संसाधनों की कमी नहीं आने देंगे। अध्यक्षता मंगरू राम मौर्या तथा संचालन सुभाषचंद्र उपाध्याय ने किया। प्रबंध निदेशक अशोक कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर खेतासराय के चेयरमैन वसीम अहमद, सैयद उरूज, सुरेन्द्र कुमार यादव, इंद्रेश यादव मौजूद रहे।

दबंगों के खौफ से महिला का परिवार गांव से पलायन करने को मजबूर, दबंग घर पर चढ़ कर दे रहे है धमकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के बरपुर गांव की महिला न्याय के लिए दर-दर की ठोकरे खा रही है। महिला ने प्रदेश सरकार समेत जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में न्याय की गुहार लगाई है। घटना कुछ इस प्रकार की है कि 10 फरवरी दिन के लगभग 3:00 बजे गांव की साफिया बानो पत्नी रियाज अहमद घर से कुछ दूरी पर घास काट रही थी। उसी समय गांव के कुछ दबंग उसके पास पहुंच कर छेड़खानी किया। महिला ने जब इस बात का विरोध किया तो दबंगों ने उसे बुरी तरह से पीट कर घायल कर दिया। महिला का आरोप है कि जब वह थाने गई तो पुलिस ने मनमानी ढंग से प्रार्थना पत्र लिखकर अंगूठा निशान लगवा लिया। पुलिस ने मामले की लिपापोती करते हुए मारपीट गाली जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है। दबंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने के कारण आए दिन महिला और उसके परिवार को बराबर जान से मारने की धमकी दबंग घर पर चढ़ कर दे रहे हैं। जिसके कारण अब महिला का परिवार गांव से पलायन करने की तैयारी में लगा हुआ है।

25 हजार का इनामिया आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपराध की रोकथाना एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के एवं पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 369/2024 धारा 137(2) बी.एन.एस. तरमीमी धारा-103(1),61(2), 140(2) से सम्बन्धित आरोपी 1.आरिफ पुत्र जमील खान निवासी अतरौरा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र करीब 35 वर्ष को दिनांक 14.02.2025 को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला युवा अधिकारी आर.जी सिंह ने अवगत कराया है कि भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र संगठन जौनपुर के द्वारा मुफ्तीगंज ब्लाक के राम प्रताप उच्चतर माध्यमिक विद्यापीठ सुरैला, उमरी, जौनपुर में ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में दौड़, कुश्ती एवं वालीबॉल और बालिका वर्ग में स्लो साइक्लिंग, बैडमिंटन एवं कबड्डी का आयोजन हुआ। विजेताओं को मुख्य अतिथि कविराज यादव (ग्राम प्रधान सुरैला) तथा विशिष्ट अतिथि विपुल कुमार सिंह (पूर्व प्रधान भुईली) के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस खेल के 400 मीटर की दौड़ में धीरज यादव (प्रथम), समीर शेख (द्वितीय) तथा करन राजभर (तृतीय) स्थान प्राप्त किया। कुश्ती में करन राजभर (प्रथम), निखिल गौड़ (द्वितीय) व राहुल कुमार (तृतीय) स्थान प्राप्त किए। वालीबॉल में मुफ्तीगंज टीम (विजेता) एवं केराकत टीम (उपविजेता) रही। बालिकाओं में स्लो साइक्लिंग में अंशिका राजभर (प्रथम), नेहा राजभर (द्वितीय) व अंशिका सिंह (तृतीय) स्थान।। बैडमिंटन में शीतल सिंह (प्रथम), आंचल कन्नौजिया (द्वितीय) व श्रद्धा प्रजापति (तृतीय) स्थान पर आए। कबड्डी में डोभी ब्लाक की टीम (विजेता) व केराकत की टीम उपविजेता रही।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक प्रेमनारायण तिवारी, प्रधानाध्यापिका निशा तिवारी, संचालक आकाश कुमार गर्ग,अध्यक्षता प्रधान निवास तिवारी तथा प्रबंधसमिति के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह उपस्तिथ रहे। इस खेल में अभिषेक सिंह एवं सत्यम सिंह ने रेफरी के रूप में अपने कार्य का निर्वहन किया। कार्यक्रम के अंत में रामसिंह यादव अध्यक्ष नेहरू युवा मंडल केराकत ने सभी आए हुए अतिथियों एवं खिलाड़ियों को सफलता पूर्वक खेल संपन्न होने की शुभकामनाएं दी।

प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता का मेरठ में होगा आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 फुटबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 22 फरवरी से 01 मार्च, 2025 तक मेरठ में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब जूनियर बालक फुटबाल खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 17 फरवरी 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब जूनियर बालक फुटबाल खिलाड़ी ही 19 फरवरी, 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में दोपहर 1.30 बजे से किया जायेगा में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा।

मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जो मेरठ में आयोजित हो रही है। में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। फुटबाल खिलाड़ियों का जन्म 01 जनवरी 2011 से 31 दिसम्बर 2012 के मध्य होना चाहिए।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं वाँछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभिया। के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर एवं प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह,थाना लाइन बाजार जौनपुर के नेतृत्व में उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह, मय हमराहियान द्वारा 01 अरुण कुमार यादव पुत्र स्व0 शेष नरायण यादव निवासी पौहा थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर उम्र करीब-37 वर्ष को आज दिनांक- 15.02.25 को समय 01.10 बजे चोरी के 01 मोटरसाइकिल के साथ थाना लाइन बाजार क्षेत्रान्तर्गत अम्बेडकर तिराहा,पानी टंकी के पास से गिरफ्तार कर अरुण कुमार यादव के विरुद्ध पंजीकृत मु0अ0सं0 79/25 धारा 317(2)/317(5) बी0एन0एस0 पंजीकृत कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के सभागार में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए निर्देशित किया कि सम्बन्धित अधिकारीगण मौके पर जाकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने सभी को निर्देशित किया कि शिकायतकताओं की शिकायतों को प्राथमिकता पर निस्तारित करें। जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी के नवीन चैम्बर का उदघाटन किया गया जिसमें उनके द्वारा जनसुनवाई की जाएगी। जिससे शिकायताकताओं की शिकायतों को सुनते हुए त्वरित निस्तारण कराया जा सकेगा। इस दौरान कुल 92 शिकायते प्राप्त हुयी जिसमें से 16 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी योगिता सिंह, क्षेत्राधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयवर चौहान द्वारा तहसील सदर में तथा मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट द्वारा तहसील मडियाहूं में शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

गजल संग्रह मधुमती और खयाल वेगला का विमोचन

मुंबई। पूर्व बैंकर प्रशांत कदम, रिटायर अधिकारी नीलिमा कदम और आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. संध्या कदम के संयुक्त गजल संग्रह मधुमती और नीलिमा कदम के काव्य संग्रह खयाल वेगला का विमोचन शिवसेना नेता एवं पूर्व उद्योग मंत्री सुभाष देसाई की उपस्थिति में हुआ। शनिवार की शाम प्रबोधन गोरेगांव सभागृह में साहित्यिक वातावरण के बीच दोनों पुस्तकों का विमोचन संपन्न हुआ। इस अवसर पर बतौर प्रमुख अतिथि सुभाष देसाई, फिल्मकार राजू मेश्राम। पत्रकार प्रमोद चूंचूवार, चित्रा सावंत और हरिगोविंद विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे। तीनों रचनाकारों ने अपनी सृजनशीलता और गजलों के पीछे की भावनाओं को साझा किया और अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ किया। उनकी रचनाओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और साहित्य प्रेमियों को एक नई अनुभूति दी। इस अवसर पर उपस्थित साहित्य प्रेमियों, पत्रकारों और विद्वानों ने इन संग्रहों को एक महत्वपूर्ण साहित्यिक उपलब्धि बताते हुए इसकी सराहना की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार मयूरी डोंगरे ने कुशलता से किया। जिससे पूरे समारोह को एक सहज और गरिमामयी प्रस्तुति मिली। अंत में संगीत का प्रोग्राम भी हुआ। जिसने संध्या को और भी मधुर और यादगार बना दिया। यह आयोजन केवल साहित्य के प्रति सम्मान नहीं था, बल्कि इसे श्रद्धांजलि के रूप में भी आयोजित किया गया था, जो स्व. मधुकर कदम, स्व. वसंत तावडे, स्व. मनोहर तावडे और स्व. विजय तावडे को समर्पित किया गया था।

उत्तर-दक्षिण को एकजुट करता है सनातन धर्म : योगी आदित्यनाथ

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नमो घाट पर काशी-तमिल संगमम (केटीएस) 3.0 का भव्य उद्घाटन किया। इसके पूर्व उन्होंने हवाई सर्वेक्षण कर वाराणसी के घाटों पर हो रही महाकुंभ की भीड़ और यातायात व्यवस्था का भी जायजा लिया। महाकुंभ के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए हो रही भीड़ के मद्देनजर शहर की एक-एक गलियों को करीब से देखा। इसके बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में विधि विधान से दर्शन-पूजन भी किया। जबकि भारी भीड़ तथा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मुख्यमंत्री द्वारा काल भैरव मंदिर में दर्शन पूजन को स्थगित किया गया। साथ ही जिलाधिकारी एस राजलिंगम से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात सुगम बनाने का निर्देश भी दिया। काशी तमिल संगमम के शुभारंभ से पहले मुख्यमंत्री ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिखाई। मंच पर सीएम योगी के साथ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय के मंत्री डाक्टर एम मुर्गन ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन विश्व का न सिर्फ सबसे बड़ा प्राचीन धर्म है, बल्कि उत्तर दक्षिण को भी एक करता है। सनातन लोगों को एक साथ लेकर चलने का हुनर सिखाती है। काशी-तमिल संगमम् एक सांस्कृतिक उत्सव है। जिसका उद्देश्य उत्तर भारत और दक्षिण भारत की विविध पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रथाओं को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि वाराणसी में तीसरे काशी तमिल संगमम के आयोजन के बारे में जानना आनंददायक है। प्रयागराज में महाकुंभ के बीच होने के कारण यह अवसर और भी महत्वपूर्ण हो गया है। तमिलनाडु और काशी के बीच, कावेरी और गंगा के बीच का अटूट संबंध हजारों साल पुराना है। पिछले दो संगमों के दौरान लोगों की हार्दिक भावनाओं और अनुभवों ने भारत की विविध संस्कृति की सुंदरता के साथ-साथ लोगों के बीच मजबूत संबंधों को भी प्रदर्शित किया। काशी तमिल संगमम न केवल इन यादों को ताजा करेगा, बल्कि तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। लोगों की संपूर्ण भागीदारी ने इन संगमों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का मशाल वाहक बना दिया है। यह जानकर खुशी हो रही है कि, इस वर्ष, हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ शास्त्रीय तमिल साहित्य में ऋषि अगस्त्यर के महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाया जाएगा।

इसके अलावा, यह भी उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों को महाकुंभ का अनुभव करने के साथ-साथ अयोध्या में श्री राम मंदिर के दर्शन भी करने का मौका मिलेगा। मुझे यकीन है कि सभी प्रतिभागी इन स्थानों की दिव्यता से धन्य महसूस करेंगे। जैसे-जैसे राष्ट्र विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, काशी तमिल संगमम जैसे प्रयास हमारी विविधता का जश्न मनाते हुए हमारी एकता को मजबूत करने में सर्वोपरि हो जाते हैं। काशी आने वाले तमिलनाडु के लोग जीवन भर याद रखने योग्य महान यादें लेकर वापस जाएं। इस बार काशी तमिल संगमम्‌महर्षि अगस्त्य को समर्पित है। इनके जीवन चरित्र पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन नमो घाट पर किया गया हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से आए मेहमानों को 144 वर्ष पर प्रयागराज में लगे महाकुम्भ एवं 500 वर्ष बाद अयोध्या में बने रामलला का दर्शन कराया जाएगा। नए भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए महर्षि अगस्त्य को केंद्र में रखकर इस बार के काशी तमिल संगमम्‌ का थीम रखा गया है। राम को माता सीता को खोजने एवं राम-रावण युद्ध में आदित्य स्त्रोत देने वाले महर्षि अगस्त्य है। शिक्षक, लेखको के साथ ही उद्योग, व्यापार, मंदिर की व्यवस्था करने वाले आदि लोग इस बार इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। देश को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण को जोड़ने का कार्य जो कभी शंकराचार्य ने किया था, वहीं कार्य आज के परिवेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काशी तमिल संगम कार्यक्रम के माध्यम से एक भारत श्रेष्ट भारत की परिकल्पना को साकार कर रहे है।

मानस मानव जीवन की आचार संहिता है

सुलतानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा जिला कारागार मे काशी धाम से आए हुए मानस कोविद् पंडित मदन मोहन मिश्र जी महाराज राम कथा के द्वितीय दिवस पर शनिवार को जिला कारागार मे व्यास पीठ से महाराज ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि मयार्दा आदर्श नम्रता और सहननशीलता का ही नाम मानस है। मानस मानव जीवन की आचार संहिता है। भविष्य में होने वाली घटनाओं को अनुमान कहते हैं। जो सारे अनुमान को मंगलमय बना दें उन्हें हनुमान कहते हैं। जो अपमान में भी सम्मान की भावना देख लेता है उसे ही महादेव कहा जाता है। अपने को अमर बनाने के लिए जो अमृत पिता है वह केवल देव है लोक कल्याण के लिए जो जहर पी जाता है वही महादेव है। प्रभु श्री राम हनुमान जी के हृदय में निवास करते हैं। हनुमान जी की उपासना से सभी प्रकार के संकट दूर हो जाते हैं। सुमित आती है बुरे विचार भाग जाते हैं। हनुमान जी सुग्रीव को भगवान श्री राम से मिला देते हैं विभीषण को श्री राम से मिला देते हैं, लक्ष्मण जी को संजीवनी लाकर के जिला देते हैं। सभी के जीवन में मंगल प्रदान करते हैं। इसलिए वह मंगल मूर्ति है। माता-पिता के सामने सूक्ष्म और राक्षसों के सामने विकट रूप दिखाकर यह बताते हैं हमको बड़ों के सामने विनम्र रहना चाहिए। आतंकवादी और उग्रवादियों के सामने बाल प्रदर्शन करना चाहिए। शंकर जी के एक हाथ में डमरु एक में त्रिशूल यह बताता है कि स्वस्थ और शास्त्र दोनों मजबूत होना चाहिए। शंकर जी भले ही अस्मशान में रहते हो, लेकिन समग्र पूजा उनके पुत्र मंगल के देवता गणेश से ही होती है। श्रोतागण कथा सुनकर मंत्र मुग्ध हो जारहे है, यह तीन दिवसीय मानस प्रवचन लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा बंदी सुधार अभियान के तहत जेल में निरुद्ध कैदियों हेतु चल रहा है। कथा मे समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया, डिप्टी जेलर कविता कुमारी, रीता श्रीवास्तव, गौरव कुमार सिंह, समिति के राष्ट्रीय सचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकू भइया, मंच संचालन अधिवक्ता सुभाष त्रिपाठी, जयसिंहपुर प्रमुख राहुल शुक्ल, संदीप दुबे, नवीन सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र, अंजनी यादव, हैपी पांडेय, बब्लू तिवारी, गौरव पांडेय, आकाश दुबे कृष्णा सिंह सहित जेल के प्रशासनिक अधिकारी आदि लोग मौजूद थे।

साइकिल सवार को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। हाफिजपुर पावर हाउस के पास शुक्रवार की रात तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार ने साइकिल वाले को टक्कर मार दिया। इस घटना से गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर गांव निवासी चंद्रबली मौर्या (29) पुत्र स्व मोतीलाल शुक्रवार की रात बंशीबाजार तिलक कार्यक्रम में गया था। रात दस बजे वहां से वह लौट रहा था अभी वह हाफिजपुर पावर हाउस के पास पहुंचा था कि पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार ने साइकिल सवार युवक को धक्का मार दिया और मौके से फरार हो गया। उधर से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने युवक को सड़क पर घायलावस्था में पड़ा देखा तो एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

प्रतापगढ़ में नवभारत के वरिष्ठ उप सम्पादक राकेश पाण्डेय को लोक चेतना संस्था मीडिया प्रभारी कृष्णा सिंह लोक चेतना जवनका मंगल पत्रिका 2024 भेंट करते हुए। छाया : उत्तरशक्ति

प्राण प्रतिष्ठा में दर्शन का टूटा रिकॉर्ड

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। रामलला के दर्शन का रोजाना नया कीर्तिमान बन रहा है। शुक्रवार को एक बार फिर आस्थावानों ने रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड बना दिया। शनिवार को मंदिर सुबह पांच बजे से रात 12 बजे तक खुला और 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन कर कीर्तिमान रच दिया। रामलला के दरबार में सुबह से लेकर रात तक श्रद्धालु की कतार नहीं टूट रही है। रामनगरी की पवित्र धरा पर धर्म, अध्यात्म एवं आस्था का महा समागम निरंतर हो रहा है। रामनगरी में उमड़ रहे आस्थावानों का रेला रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है। माघ पूर्णिमा पर 4.50 लाख भक्तों ने रामलला के दर्शन किए तो यह रिकॉर्ड अगले दिन ही 13 फरवरी को टूट गया जबकि रामलला के दरबार में पांच लाख श्रद्धालु पहुंचे। 13 फरवरी का रिकॉर्ड भी 14 फरवरी को टूट गया, इस दिन 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें, कोई निराश होकर न लौटे इसलिए मंदिर 18 से 19 घंटे तक खोला जा रहा है। श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के लिए मंडलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे 24 घंटे डटे हैं तो राम मंदिर ट्रस्ट भी अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से 250 कर्मी लगाए गए हैं जो श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने में मदद कर रहे हैं। भटके हुए श्रद्धालुओं की मदद कर रहे हैं, पानी पिला रहे हैं, प्रवेश से लेकर निकासी मार्ग तक अलग-अलग जगहों पर कर्मियों को लगाया गया है। रामलला का मंदिर 18 से 19 घंटे खोला जा रहा है। रोजाना चार से पांच लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। परिसर में पहुंचने वाले हर एक श्रद्धालु को दर्शन कराया जा रहा है। प्रशासन के साथ ट्रस्ट की टीम सुगम दर्शन की व्यवस्था में लगी है।

मुंबई आजाद मैदान में वसई कर ने मनाया मातृ पितृ दिवस

वसई रोड। श्री योग वेदांत सेवा समिति, मुंबई द्वारा राष्ट्रीय संत श्री आसाराम बापू से प्रेरित मातृ-पितृ महोत्सव मनाया गया। जो भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम है। माता-पिता और बच्चे आपसी आध्यात्मिक प्रेम के साथ मातृ-पितृ महोत्सव मनाते हैं। विविधता में एकता दिखाते हुए आज इस त्योहार में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाईयों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आदरणीय स्थानीय विधायक मंगलप्रभात लोढ़ाजी के प्रतिनिधि अजय पाटिल सचिन शेलारजी और सतीश शेलारजी (प्रवक्ता-सनातन संस्था), इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संजीव पुनालेकरजी (वकील, हिंदू जनजागृति समिति), सुबोध महाराज और ईश्वर नागरे महाराज (वारकरी संप्रदाय) आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मानव जीवन के उत्थान के लिए माता-पिता और गुरुजनों के सम्मान का महत्व यदि कोई देश जानता है तो वह हमारा भारत देश है। भारतीय संस्कृति के इन प्राचीन मूल्यों और परंपराओं को पुनर्स्थापित करने के लिए और 14 फरवरी को प्रेम दिवस की पश्चिमी परंपरा को किनारे रखकर राष्ट्रीय संत आसारामजी बापू की पवित्र प्रेरणा से माता-पिता और शिक्षकों को सच्चे प्रेम दिवस का मूल्य बताने के लिए विश्व भर में मातृ पितृ पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में आज 14 फरवरी को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हजारों लोगों ने मातृ पितृ पूजन दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया, जहां हजारों बच्चों और युवाओं ने अपने माता-पिता को फूल चढ़ाकर और तिल रखकर उनकी पूजा की और गणेश जी की तरह उनकी सात बार परिक्रमा की और उनका सम्मान और सेवा करने का संकल्प लिया। अपने ही बच्चों द्वारा स्वयं की पूजा होते देख हजारों माता-पिता भाव-विभोर हो गये। जबकि कई माता-पिता कहते हैं कि वेस्टर्न लव डे उनके बच्चों को गुमराह करने वाला और ध्यान भटकाने वाला था, राष्ट्रीय संत४ आसारामजी बापू से प्रेरित इस मातृ पितृ पूजन महोत्सव ने आज की युवा पीढ़ी को एक नई दिशा दी है। इसके साथ ही मातृ पितृ पूजन संबंधी चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा विभिन्न प्रेरक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। अगस्त क्रांति मैदान में 14 फरवरी को पहली बार मनाया गया मातृ पितृ पूजन दिवस बेहद सफल रहा।

वसई विधायक स्नेहा दुबे ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

वसई(उत्तरशक्ति)। वसई विरार बहुजन विकास अघाड़ी के पूर्व नगरसेवक ने झूठे दस्तावेज बनाकर सीवेज प्रोजेक्ट और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित जमीन पर अवैध इमारतें खड़ी कर दीं। कोर्ट के आदेश पर नगर निगम ने इन्हें बेदखल कर दिया है. महानगर पालिका के एक हाथ में सत्तासीन दल के नगरसेवक द्वारा सत्ता और आतंक के बल पर बनाई गई इस अवैध इमारत के निवासियों की जिंदगी सड़क पर आ गई है। माननीय. सुप्रीम कोर्ट ने इन इमारतों को सुरक्षा देने से इनकार करते हुए प्रशासन को जांच करने और यह तय करने का निर्देश दिया था कि क्या बेदखली की कार्रवाई से विस्थापित निवासियों को कहीं और बसाया जा सकता है। लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है. तो 27 जनवरी को वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इन निवासियों के पुनर्वास का मुद्दा उठाया और वसई-विरार नगर निगम के अधिकारियों को इसकी जांच करने का निर्देश दिया। लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी नगर निगम की ओर से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। आखिरकार विधायक स्नेहा दुबे पंडित आज मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस से उनके आवास पर जाकर व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनसे इन निवासियों के पुनर्वास के मुद्दे को हल करने के लिए तुरंत अपने स्तर पर एक बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने विधायकों से बेघर हुए लोगों का दर्द समझा और कहा कि इस मामले में तत्काल कदम उठाये जायेंगे और जल्द ही बैठक कर आगे की कार्रवाई के निर्देश प्रशासन को दिये। इस मुलाकात के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई की विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर निम्नलिखित मुद्दों का तत्काल समाधान निकालने के लिए संबंधित विभाग के मंत्री और प्रशासनिक विभाग के प्रमुख की उपस्थिति में एक विशेष बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया गया।

वसई रोड भाजपा द्वारा शिव महोत्सव 19 को

वसई। वसई में बीजेपी और शिव प्रहार प्रतिष्ठान ने सुबह 10 बजे से बाबासाहेब अंबेडकर चौक (पंचवटी नाका) पर शिव जन्मोत्सवर समारोह 19 फरवरी के दीन आयोजन किया है। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा प्रायोजित शिव प्रहार प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष सिद्धेश तावड़े ने किया है और कार्यक्रम महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रवक्ता के संयोजक उत्तम कुमार के मार्गदर्शन में होगा। सुबह 10 बजे शिव प्रतिमा पूजा, दोपहर 2 बजे तक मेडिकल कैंप, दोपहर 3 बजे सत्यनारायण पूजा, शाम 4 बजे हल्दी कुंकू, शाम 5 बजे पालखी सोहाला और शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। आयोजन स्थल पर रंग, प्रकाश, रंगोली बनाई जाएगी। महाराज की प्रतिमा स्थापित कर जुलूस निकाला जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से होगी. कार्यक्रम के दौरान शिव वंदना, कलाकारों द्वारा पोवाड़ा गायन, छत्रपति शिवाजी महाराज के संदर्भ में गीत-गायन और हल्दी कुंकू आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पालघर सांसद हेमंत सावरा, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, बोइसर विधायक विलास तारे, पालघर विधायक राजेंद्र गावित, धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक महासचिव श्रमिक नेता अभिजीत राणे आदिउपस्थित रहेगे एसा सिद्धेश तावड़े ने कहा। आयोजक सिद्धेश तावड़े ने कार्यक्रम के बारे में बताया, हर साल हम महाराष्ट्र के आराध्य देव और गौरव, वीरता, दया और उदारता के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। कार्यक्रम की स्वागत समिति का गठन कर लिया गया है और कार्यक्रम की तैयारी चल रही है. आयोजकों ने वसई के सभी शिव प्रेमियों, नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं से इसमें शामिल होने की अपील की है।

महादेवी पोद्दार प्राथमिक विद्यालय में 'मातृ -पितृ पूजन दिवस' कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका शिक्षण विभाग अंतर्गत महादेवी पोदार प्राथमिक विद्यालय सांताक्रुज (प .) में देव तथा गुरु तुल्य मातृ - पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम विद्यालय की गुणवंत तथा यशस्वी मुख्याध्यापिका श्रीमती मंजुला तिवारी तथा विद्यालय व्यवस्थापन समिति के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मुख्य अतिथि का पद भार बृहन्मुंबई महानगर पालिका के महाराष्ट्र राज्य आदर्श शिक्षक पुरस्कार से अलंकृत ,गुणवंत मुख्य शिक्षक ब्रह्मदेव मिश्र ने सुशोभित किया। आमंत्रित अतिथियों की आगवानी में सर्व प्रथम विद्यालय के विद्यार्थियों ने लेज़िम तथा अन्य वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि में उनका जोरदार स्वागत तथा अभिनंदन किया। तत्पश्चात बाल कलाकारों / विद्यार्थियों द्वारा मातृ -पितृ के रूप में उपस्थित अभिभावकों का सुसज्जित पुष्पों की थाली समर्पित कर अभिनय नृत्य तथा सांस्कारिक सुमधुर गीत/ संगीत द्वारा उनका भी हार्दिक अभिनंदन तथा स्वागत किया।गुणवंत शिक्षकों व प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनपा शिक्षण विभाग तथा खाजगी प्राथमिक विद्यालयों से विशिष्ट एवं सम्माननीय अतिथि के रूप में सेवा निवृत्त मुख्य शिक्षक/शिक्षक श्रीमती पुष्पा देवी, रंजना शिर्के, शशितारा सिंह, रेखा सिंह, गणेश सिंह, नमिता पिंपले,पूजा मिश्रा, शैलेंद्र सिंह,रुद्र मिश्रा,सरिता तिवारी, प्रमोद त्रिपाठी, पूनम सिंह ,सुहास मिरकुटे तथा चंद्रकांत चिंदरकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मानव जीवन को सफल बनाने में माता - पिता की अभूतपूर्व भूमिका के संदर्भ में मातृ- पितृ दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। सचमुच लालन -पालन के अतिरिक्त अपने तथा समाज के बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता- पिता का उल्लेखनीय योगदान होता है। उनकी भूमिका सदैव अग्रगण्य होती है।अपने सुख सुविधाओं की उपेक्षा करते हुए माता- पिता सदैव अपने बच्चों के अमन - चैन तथा प्रगति एवं विकास में ही अपने सुख की परिकल्पना करते रहते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में अपने अध्यक्षीय मंतव्य को व्यक्त करते हुए ब्रह्मदेव मिश्र ने बच्चों के उत्थान तथा प्रगति में माता -पिता की अविस्मरणीय/ अभूतपूर्व भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माता- पिता अपनी प्रगति तथा अपने मान- सम्मान सेअधिक प्रगति तथा मान -सम्मान अपने बच्चों से अपेक्षा करते हैं। खूब सूरत कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की बहुमुखी प्रतिभा संपन्न / गुणवंत शिक्षिका श्रीमती रेखा सिंह तथा आदर्श शिक्षक गणेश सिंह ने विन्रमतापूर्वक संपन्न किया जबकि उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार मुख्याध्यापिका श्रीमती मंजुला तिवारी ने किया।

चेतावनी: भारत, पाकिस्तान-बांग्लादेश में मचेगी भारी तबाही ! मंडरा रहा बड़ा खतरा

नईदिल्ली। करीब 7 साल बाद, 2032 में पृथ्वी पर एक बड़ा खगोलीय संकट आ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो एक विशाल उल्कापिंड YR4 पृथ्वी से टकरा सकता है, जिससे कई देशों में भारी तबाही मचने की आशंका है। अंतरिक्ष एजेंसियां इस संभावित खतरे से निपटने के लिए पहले से ही रणनीति तैयार करने में जुटी हुई हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा से लेकर चीन तक इस संकट को लेकर गंभीर है, यहां तक कि चीन ने एक विशेष सुरक्षा बल भी गठित करना शुरू कर दिया है। इस उल्कापिंड का आधिकारिक नाम 2024 R4 है, जिसे पहली बार 27 दिसंबर 2024 को चिली के रियो हुतार्द स्थित एक निगरानी स्टेशन ने खोजा था। यह अपोलो-टाइप का उल्कापिंड है, जिसका मतलब है कि यह पृथ्वी की कक्षा को पार करने वाली वस्तुओं में शामिल है। जब एस्टरॉयड टेरेस्ट्रियल इंपैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम ने इस खतरे की चेतावनी जारी की, तो दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद नासा और अन्य एजेंसियों ने YR4 को पृथ्वी के लिए सबसे खतरनाक अंतरिक्षीय वस्तुओं की सूची में सबसे ऊपर रख दिया।

वर्तमान में, R4 उल्कापिंड पृथ्वी से 6.5 करोड़ किलोमीटर दूर है, लेकिन यह तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जेम्स वेब टेलीस्कोप से इस पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि इसकी कक्षा में होने वाले बदलावों को ट्रैक किया जा सके। मार्च 2025 तक यह जेम्स वेब टेलीस्कोप की पहुंच में रहेगा। अप्रैल 2025 के अंत तक यह इतना दूर चला जाएगा कि इसे ट्रैक करना लगभग असंभव हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार जून 2028 तक YR4 को ट्रैक नहीं किया जा सकेगा यानी करीब 38 महीने तक इसका सटीक आकलन करना मुश्किल होगा। यह उल्कापिंड मुख्य रूप से चट्टानों से बना है, इसमें लोहे या भारी धातुओं के संकेत नहीं मिले हैं, इसलिए पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के दौरान इसके टुकड़े-टुकड़े होने की संभावना भी जताई जा रही है।

दो पत्नियों ने 3-3 दिन के लिए बांटा पति, हफ्ते में एक दिन मिलेगा 'वीकऑफ'

पटना। बिहार के पूर्णिया जिले में एक अनोखा समझौता हुआ है, जिसमें एक व्यक्ति को अपनी दो पत्नियों के बीच समय बांटकर रहना होगा। परिवार परामर्श केंद्र ने निर्णय लिया कि पति को सप्ताह में तीन-तीन दिन दोनों पत्नियों के साथ रहना होगा, जबकि एक दिन उसे आराम मिलेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस स्वीकऑफस् के दिन भी वह अपनी मर्जी से किसी एक पत्नी के साथ समय बिता सकता है। इस फैसले ने पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया है और सोशल मीडिया पर भी इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

यह मामला पूर्णिया के रुपौली थाना क्षेत्र का है, जहां एक व्यक्ति ने सात साल पहले दूसरी शादी कर ली थी, लेकिन उसने अपनी पहली पत्नी को इस बारे में नहीं बताया। जब पहली पत्नी को इसके बारे में पता चला, तो उसने विरोध किया और दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। अंत में, पति अपनी पहली पत्नी और बच्चों को छोड़कर दूसरी पत्नी के साथ रहने लगा। पहली पत्नी का आरोप है कि पति ने न सिर्फ उसे छोड़ दिया, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और खर्च भी बंद कर दिया। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की, जिन्होंने मामला परिवार परामर्श केंद्र भेज दिया। 14 फरवरी को परिवार परामर्श केंद्र ने पति और उसकी दोनों पत्नियों को सुनवाई के लिए बुलाया। सुनवाई के दौरान पहली पत्नी ने आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद केंद्र के सदस्यों ने पति को बिना तलाक दूसरी शादी करने के लिए फटकार लगाई और दूसरी पत्नी को भी गलत ठहराया। पति ने अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि वह दोनों पत्नियों और उनके बच्चों की जिम्मेदारी निभाना चाहता है, लेकिन पहली पत्नी उसे दूसरी पत्नी के पास जाने से रोकती है, जिससे घर में झगड़े होते रहते हैं। समझौते के तहत यह फैसला लिया गया कि पति सप्ताह में तीन-तीन दिन दोनों पत्नियों के साथ रहेगा और एक दिन उसे आराम मिलेगा। इसके अलावा, वह अपनी पहली पत्नी को हर महीने 4,000 रुपये बच्चों की पढ़ाई और पालन-पोषण के लिए देगा।

दूल्हे की कार में लगी आग, बाल-बाल बचा, दूसरी कार से मंडप तक पहुंचा

नीमच (मूलचंद खींची)। नीमच से करीब 25 किलोमीटर दूरी पर निम्बाहेडा रेलवे ब्रिज पर एक कार में अचानक आग लग गई। हादसा सुबह करीब 10 बजे का है। कार में दूल्हा सहित अन्य लोग बैठे हुए थे। वायर जलने की बदबू आने से वे सभी कार में से उतर गए। इतने में आग ने भीषण रूप ले लिया और पूरी कार जलकर राख हो गई।

पांचवीं बेटी होने से परेशान मां ने फंदा लगाकर दी जान, बेटे की चाहत में कई महीनों से थी परेशान

हिसार। रायपुर गांव में किरण ने शुक्रवार रात को घर के आंगन की दीवार के लेंटर में लगे सरिये से रस्सी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। स्वजन के मुताबिक किरण को पांच बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी की उम्र आठ महीने है। रात में काम से लौटकर आए पति को खाना देने के बाद किरण ने फंदा लगाया। आठ महीने की बेटी के रोने पर पति जब कमरे से बाहर आया तो किरण फंदे पर लटकी मिली। इस मामले में मृतका के मायके पक्ष और पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने मृतका के स्वजन के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई की। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजन के हवाले कर दिया। भिवानी के बड़सी गांव की रहने वाली किरण (34) की शादी करीब 18 साल पहले गांव रायपुर निवासी धर्मबीर के साथ हुई थी। धर्मबीर ऑटो मार्केट में मिस्त्री का काम करता है। किरण को पांच बेटी है। बड़ी बेटी 12 साल और सबसे छोटी बेटी आठ महीने की है। किरण के मौसेरे भाई ने बताया कि पांचवीं बेटी के जन्म के बाद किरण बेटे की चाहत को लेकर थोड़ी परेशान रहती थी। इसी कारण वह पिछले काफी समय से परेशान चल रही थी। इसी परेशानी के चलते शुक्रवार की रात को किरण ने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। किरण के भाई बलजीत के मुताबिक किरण और उसकी बड़ी बहन मीना दोनों एक ही घर में दो सगे भाइयों के साथ शादीशुदा है। शुक्रवार शाम को करीब आठ बजे धर्मबीर ड्यूटी से घर आया था। किरण धर्मबीर को खाना देकर कमरे से बाहर आ गई। जब काफी देर तक किरण नहीं आई तो आठ महीने की बच्ची रोने लगी। उसी समय धर्मबीर कमरे से बाहर आया तो उसे किरण फंदे पर लटकी मिली। पत्नी के शव देखते ही पति के होश उड़ गए। कुछ ही देर में परिवार में मातम पसर गया। साथ ही अब पांच बच्चियों के सिर से मां का साया उठ गया।

महाकुंभ : प्रयागराज ही नहीं, काशी, विन्ध्याचल व अयोध्या की भी हो रही छप्पर फाड़ कमाई

-सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रयागराज महाकुंभ के संगम स्नान करने वाले आस्थावानों की भीड़ थमने का नाम नहीं ले रही है. तो पलट प्रवाह के चलते श्रीकाशी विश्वनाथ धाम भी अछूता नहीं है। माघी पूर्णिमा स्नान के बाद भी दोनों तीर्थस्थल आस्था से सराबोर भक्त दर्शन-पूजन के लिए उमड़ रहे है. महाकुंभ के 34वें दिन 16 फरवरी तक श्रद्धालुओं की संख्या 50.12 करोड़ के पार हो गई है। यह संख्या अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, ब्राजील और बांग्लादेश जैसे देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है. जबकि काशी विश्वनाथ धाम में भी दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 1.35 करोड़ हो गयी है। ऐसे में न सिर्फ प्रयागराज और उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश की धार्मिक अर्थव्यवस्था में जबरदस्त उछाल आया है. जिसमें पूजा सामग्री से लेकर होटल, खाने पीने की दुकानें, परिवहन व्यवस्था से लेकर तमाम चीजे शामिल है।

खास यह है कि महाकुंभ आस्था का संगम है, लेकिन इस बार का महाकुंभ आस्था के साथ कमाई का भी संगम बन गया है। इस बार केवल कुंभ में रिकॉर्ड 3 लाख करोड़ रुपये का बिजनेस होने का अनुमान है। या यूं कहे महाकुंभ से सरकार को भी करीब 25 हजार करोड़ का राजस्व मिलने का अनुमान है। कुछ ऐसा ही आंकड़ा श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का है। महाकुंभ पलट प्रवाह के 34 दिनों में बाबा विश्वनाथ में केवल 7 करोड़ से भी अधिक का चढ़ावा मिला है। जबकि व्यापारी संगठनों व पर्यटन विभाग की मानें तो दर्शनार्थियों के चलते होटल, रेस्टोरेंट व परिवहन आदि से ही लगभग 30 हजार करोड़ से भी अधिक की कमाई हुई है।

बता दें, प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में का असर उसके आसपास के जिलों में भी देखने को मिल रहा है. वाराणसी और अयोध्या में भी हर रोज लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. ऐसे में व्यापारिक कमाई व दान-दक्षिणा के अलावा यूपी की अर्थव्यवस्था में भी चार चांद लग रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुताबिक 50-55 करोड़

श्रद्धालुओं के आने से महाकुंभ की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ का लाभ मिलेगा. जबकि महाकुम्भ के नाम पर दिए गए बजट 15 हजार करोड़ के खर्च से सिर्फ महाकुम्भ में नहीं प्रयागराज के सुन्दरीकरण भी हुआ है. इतिहास में ये सबसे बड़ा आयोजन रिकॉर्ड किया गया। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ के अभी 12 दिन और बचे हैं। अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग प्रयागराज पहुंचे हैं। ब्राजील के रियो फेस्टिवल या जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में आने वाली भीड़ इसके मुकाबले कुछ नहीं है। रियो कार्निवल 9 फरवरी से शुरू हुआ है जो 17 फरवरी तक चलेगा, इसमें रोज करीब 20 लाख लोग पहुंचते हैं। वहीं 16 दिनों तक चलने वाले जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में करीब 70 लाख लोग पहुंचते हैं। सीएम ने कहा, अब तो रक्षामंत्री जी के सहयोग से अक्षयवट के भी दर्शन हो रहे हैं. देश में 110 करोड़ हिन्दुओं में से 50 करोड़ ने महाकुम्भ में डुबकी लगाई. और इसके परिणामस्वरूप 2 ट्रिलियन रुपये का आर्थिक लाभ हो सकता है। इस आयोजन से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, होटल व्यवसायियों, रेस्तरां संचालकों और खाद्य विक्रेताओं को बंपर कमाई होने की उम्मीद है। इस महाकुंभ में डाबर, मदर डेयरी और आईटीसी जैसे प्रमुख ब्रांडों द्वारा 3,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है।

कुछ ऐसा ही आंकड़ा श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकरी विश्वभूषण मिश्र के मुताबिक बीते 14 जनवरी से महाकुंभ के पलट प्रवाह में 34 दिन में करीब 1.45 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने दर्शन किया है। जहां तक चढ़ावा का सवाल है तो सात करोड़ रुपये सिर्फ हुंडियों से ही निकले हैं। दान में मिले सोना-चांदी के रेट की गिनती ही नहीं हुई है। गिनती पूरी होने पर यह आंकड़ा लगभग दस करोड़ के ऊपर जाएगा। यह आंकड़ा तब है जब मंदिर प्रशासन ने महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी टिकटों पर रोक लगा दी है। यह दान काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो रही है और यह श्रद्धालुओं की विश्वास और श्रद्धा का प्रतीक है.

कॉरिडोर के बनने के बाद यह श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा आंकड़ा है. दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए यह जरूरी था कि मंदिर में मिलने वाले सभी सुगम टिकट को बंद कर दिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो. अभी तक बाबा विश्वनाथ में सलाना कमाई का रिकॉर्ड करीब 87 करोड़ रुपये है। ये आंकड़ा पिछले वित्तीय वर्ष का हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि 11 जनवरी से 11 फरवरी तक एक करोड़ 45 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन किया है. यह संख्या अपने आप में नया रिकॉर्ड है. धाम बनने के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालु आए हैं.

श्रद्धालुओं के आने का यह क्रम अभी भी जारी है. हर दिन काशी विश्वनाथ मंदिर में 5 से 7 लाख लोग दर्शन कर रहे हैं. माना जा रहा है यह भीड़ अभी महाशिवरात्रि तक बनी रहेगी. तब तक यह आंकड़ा ढाई करोड़ के पार पहुंचने का भी अनुमान है. एक अनुमान के मुताबिक रोजाना आने वालों में करीब 50 फीसदी, प्रयागराज, काशी व अयोध्या में 1 या 1 दिन से ज्यादा रुकेंगे. जिससे किसी भी दिन प्रयागराज में 45 लाख व काशी व अयोध्या में 5 से 6 लाख से अधिक पर्यटक रहेंगे. धार्मिक और तीर्थ यात्राओं पर औसत खर्च 2,717 रुपये प्रति रात (24 घंटे) तक आएगा. शहर की अनुमानित आय (होटल/दुकानें/परिवहन) से लगभग 1,200 करोड़ रुपये प्रतिदिन कमाई हो रही है. ऐसे में महाकुंभ के 45 दिनों में प्रयागराज की ही की कुल आय 54,000 करोड़ रुपये होगी. जबकि काशी व अयोध्या में भी 30 हजार करोड़ से भी अधिक की कमाई होगें। क्योंकि इन दोनों जगहों पर यात्रियों को होटल, परिवहन व रेस्टोरेंट का सहारा लेना पड़ेगा।

अमेरिका में अब ट्रांसजेंडर नहीं बन पाएंगे सैनिक, सेना ने भर्ती पर तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि वह अब ट्रांसजेंडर लोगों को सेना में भर्ती होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से संबंधित प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह निर्णय तुरंत लागू किया जाता है। आर्मी ने एक्स पर लिखा कि जेंडर डिस्फोरिया की हिस्ट्री वाले व्यक्तियों के लिए सेना में भर्ती होने पर रोक लगा दी गई है। एक्स पर साझा की गई पोस्ट की में, अमेरिकी सेना ने लिखा कि अमेरिकन आर्मी अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को निष्पादित करना या सुविधा प्रदान करना बंद कर देगी। अधिक जानकारी के लिए हमारे साथ बने रहें।

इसमें आगे कहा गया है कि तत्काल प्रभाव से, लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक लगा दी गई है और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन की पुष्टि या सुविधा से जुड़ी सभी अनिर्धारित, अनुसूचित या नियोजित चिकित्सा प्रक्रियाओं को रोक दिया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 27 जनवरी को, ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सेना को नया आकार देंगे, जिसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सेना में सेवा करने से प्रतिबंधित करना शामिल है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फ्लोरिडा से वाशिंगटन की यात्रा के दौरान एयर फोर्स वन में सवार होकर कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अपने पहले प्रशासन के दौरान, डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 में ट्रांसजेंडर अमेरिकियों को सशस्त्र बलों में सेवा करने से प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2021 में प्रतिबंध को रद करने का आदेश जारी किया। 20 जनवरी को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद, ट्रंप ने ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा की अनुमति देने के बाइडन प्रशासन के 2021 के फैसले को रद करने वाले एक आदेश पर हस्ताक्षर किए।

भारतीय अमृत महोत्सव पुरस्कार 2025 हर्ष उल्लास के साथ संपन्न

मुंबई। भारत जैसे विविधतापूर्ण और जीवंत देश में ऐसे अनगिनत व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में विविधता लाने के लिए पर्याप्त प्रयास करते हैं। मत से लेकर कलाकार तक, ये व्यक्ति हमारे समाज के वर्ग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके सराहनीय योगदान को स्वीकार करते हुए, भारतीय अमृत महोत्सव पुरस्कार 2025 का आयोजन 8 फरवरी, 2025 को अंधेरी वेस्ट, मुंबई में शीबा मीडिया वर्कशॉप द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजक गणेश साहू और शीबा शेख के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में जीवन की स्वतंत्रता का जश्न मनाना और संयुक्त राष्ट्र के लोगों का सम्मान करना है, जो कि निस्वार्थ भाव से अपने समुदाय की सेवा की है। इस पुरस्कार समारोह में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतीकों की अटूट भावना और दान का प्रमाण, समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला गया है।

प्रतिष्ठित मुख्य अतिथि दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, हारून खान शिवसेना उद्धव

बालासाहेब ठाकरे वर्ष के सबसे योग्य विधायकद्व, अंतर्राष्ट्रीय अतिथि बी.एन. तिवारी-राष्ट्रपति एफडब्ल्यूआईसीई, विजय शाह बीजेपी वसोर्वा विधानसभा, साजिद पटेल, भीमराज जहांगीर, अजाज खान (अभिनेता, निर्देशक), अरविंद कुमार वाघेला (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (सुपरस्टार राजस्थान फिल्म उद्योग), सौरभ शर्मा (एमडी-सौरभ एंटरटेनमेंट), पल्लवी शर्मा (सीईओ-सौरभ एंटरटेनमेंट), हाजी सैफ शेख (वीपी - एमएनएस लीगल प्रोड्यूसर), राजेंद्रसिंह राठौड़ (फिल्म निमार्ता - राजभा फिल्म्स), वकार शेख - (जी-5 मूवी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार विजेता) साइलेंस-2), सुनील पाल (कॉमेडियन और अभिनेता) ईशान मसीह अभिनेता, डांसर (प्रसिद्धि- बिग बॉस), जैनब पात्रा (अभिनेत्री प्रभावशाली), जानेमन (रैपर/गीत लेखक), जीतू गुप्ता (प्रसिद्धि- भाभी जी घर पे हैं), अरमान अहमद (पार्श्व सूफी गायक), क्वीन बरखा आहूजा (बहुमुखी अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय गायिका और रैपर), नवाज साजिद पटेल (प्रभावशाली और यूट्यूबर), शैहनाज अहमद अली खान (सामाजिक कार्य, शैहनाज प्लांट नर्सरी के मालिक), गजानन प्रभाकर चारी (पुलिस हेड कांस्टेबल पर्यटक पुलिस इकाइयां गोवा पुलिस),पूजा पांडे (अभिनेत्री और मॉडल), राजा अली अभिनेता प्रीति सिंह (बॉलीवुड अभिनेत्री), रजनी मेहता (बॉलीवुड अभिनेत्री), रमेश गुजराल (पैरा/ब्लैक कैट कमांडो और अभिनेता), इन लोगों ने न केवल अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि सकारात्मक बदलाव लाए हैं और अभिनेताओं को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने के लिए अपने मंच का उपयोग किया है। भारतीय अमृत महाउत्सव पुरस्कार 2025 चार चांद लगाई सिमरन आहूजा (सेलिब्रिटी एंकर, मिस इंडिया, अभिनेत्री, टीवी टॉक शो होस्ट, ग्लोबल एम्सी, लोक नृत्य की रानी) इस कार्यक्रम में इन गुमनाम नायकों को प्रतिष्ठित करने और उनके उल्लेखनीय स्मारकों और योगदान को चित्रित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया गया। साथ में रंगा रंग कार्यक्रम भी हुए जिसमें भाग लेने के लिए जानेमन और उनकी टीम ने सुपर प्रोफर्मर्स और अरमान अहमद ने भी बहुत सुंदर लाइव प्रोफर्मर्स दिए, विजोन देबनाथ डांस गुरु की टीम ने भी धमाल मचाया. लोगो की तालियों की गड़गड़ाहट के बच्चे टीम ने एक से बढ़कर एक प्रोफर्मर्स बनाए जो भारतीय अमृत महाउत्सव पुरस्कार 2025 में चार चांद लगाए गए।

सड़क पर कचरा फेंकने पर लगेगा जुमार्ना, सफाई शुल्क जमा नहीं करने पर होगा केस

जमशेदपुर। दक्षिण करनडीह पंचायत भवन में ग्राम सभा की ओर से महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित प्रकाश, मुखिया सरस्वती टुडू, ग्राम प्रधान सालकु सोरेन, सांको माझी समेत भारी संख्या में ग्रामीण व आसपास के दुकानदार उपस्थित थे। ग्राम सभा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसमें सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर जुमार्ना लगाने के साथ ही सफाई शुल्क जमा नहीं करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्णय लिया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने उसका एक स्वर में समर्थन किया। पंचायत की मुखिया सरस्वती टुडू ने कहा कि ग्राम सभा में निर्णय लिया गया है कि क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए सभी का सहयोग लिया जाएगा। इसके लिए राशी भी तय की गयी है। पंचायत में रहने वाले प्रत्येक घर के लोगों को मासिक 60 रुपये देना होगा। इसके अलावा दुकानदारों को 150 रुपये से 250 रुपये मासिक सफाई शुल्क देना होगा। जो लोग शुल्क नहीं देंगे उनके ऊपर पंचायत मुकदमा दर्ज करेगी। मुखिया ने कहा कि पंचायत की ओर से तैयार की गई ड्रीम टीम की महिलाएं साफ-सफाई के अपनी भूमिका निभा रही थी मगर कई दुकानदारों की ओर से शुल्क देने में आना-कानी करने के चलते साफ-सफाई का कार्य प्रभावित हो गया है। करनडीह को जाम से मुक्त करने के लिए वाहन चालकों से अनुरोध किया गया है कि वे पेट्रोल पंप से लेकर इमली पेड़ तक वाहन को रोककर सवारी ना चढ़ाएं ना ही उतारे। इस परिधि में कोई भी अपना वाहन सड़क किनारे ना खड़ा करे।

'पता नहीं कल 12 बजे क्या होगा', ट्रंप ने इजरायली बंधकों को नहीं छोड़ने पर हमास को दी चेतावनी

वाशिंगटन। गाजा में लड़ाई कभी भी शुरू हो सकती है, इसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर संकेत दे दिए हैं। उन्होंने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि अगर हमास शनिवार को दोपहर तक गाजा में बंधक बनाए गए बंधकों को रिहा नहीं करता है तो उन्हें यकीन नहीं है कि क्या हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सब कुछ खत्म हो जाएगा। उन्होंने बंधकों को रिहा करने के लिए हमास से अपना आह्वान दोहराया। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने पिछले हफ्ते रिहा किए गए बंधकों के बारे में बात की और बताया कि गाजा में कैद में रहने के बाद वे कैसे कमजोर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमास ने बंधकों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है। बंधकों की रिहाई के लिए अपनी पूर्व समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर, ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं पता कि कल 12 बजे क्या होने वाला है। यह मेरे ऊपर है। मैं बहुत सख्त रुख अपनाऊंगा। मैं आपको नहीं बता सकता कि इजरायल क्या करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने हमास की कैद लोगों को बाहर आते देखा, उसमें एक लड़का था जो काफी कमजोर था मैंने उसे बहुत देर तक देखा है, और उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमास ने पहले घोषणा की थी कि वे बंधकों को रिहा नहीं करेंगे और उन्होंने इस सप्ताह की शुरूआत में आतंकवादी समूह को दी गई समय सीमा को याद किया। ट्रंप ने कहा कि हमास बंधकों को रिहा नहीं करना चाहता था, हालांकि, उन्होंने अचानक यह निर्णय लिया कि वह तीन बंधकों को छोड़ेगा। हमास शनिवार को तीन बंधकों को रिहा करने वाला है। उसकी ओर से रिहा होने वालों में इयार हार्न, अमेरिकी मूल के सागुई डेकेल-चेन और रूसी मूल के एलेक्जेंडर साशा ट्रोफानोव शामिल होंगे। युद्धविराम पर सहमति बनी रहेगी या नहीं इस पर कई दिनों की अनिश्चितता के बाद मिस्त्र और कतर के मध्यस्थों के प्रयासों के बाद यह घोषणा की गई है। हालांकि, ट्रंप का समर्थन मिलने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री ने धमकी दी थी कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो वह फिर से लड़ाई शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल को सूची प्राप्त हुई। हमास ने कहा कि इजरायल को बदले में 369 फलस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करने की उम्मीद है। शनिवार को रिहा होने वाले सभी तीन बंधकों को गाजा के पास पकड़ा गया था। इयार हार्न के भाई ईटन को उसी समय पकड़ लिया गया था और वह अब भी कैद में है। पिछले महीने हुए युद्धविराम समझौते के अनुसार इजरायल 33 बंधकों को रिहा करेगा और इसके बदले इजरायल की ओर से कई फलस्तीनी कैदियों और बंधकों को रिहा किया जाएगा। 42 दिन लंबे इस युद्धविराम के दौरान गाजा में कुछ स्थानों से इजरायल अपने सैनिकों की वापसी भी करेगा।

दिल्ली में हार के बाद एपीपी को मिली बड़ी सफलता, भाजपा शासित राज्य में जीती कई सीटें

रायपुर। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हारने वाली आम आदमी पार्टी को छत्तीसगढ़ में बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की बोदरी नगर पालिका सीट पर आप ने जीत हासिल की है। यहां अध्यक्ष पद पर आप उम्मीदवार नीलम विजय वर्मा ने पार्टी का परचम लहराया है। भाजपा शासित छत्तीसगढ़ में यह आप की बड़ी जीत है। जानकारी के मुताबिक बोदरी नगर पालिका के तीन वार्डों में आप के पार्षद भी जीते हैं। कुसमी में एक सीट पर आप का पार्षद बना है। बोदरी छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष धर्मराज कौशिक का क्षेत्र है। आप प्रत्याशी नीलम विजय वर्मा को 290 वोट से जीत मिली है। दुर्ग नगर निगम में भाजपा ने महापौर सीट पर कब्जा जमाया है। पार्टी के 40 वार्डों में पार्षद जीते हैं। आठ वार्ड में निर्दलीय और 12 में कांग्रेस ने जीत हासिल की। दंतेवाड़ा जिले में भी कमल खिला है। यहां के सभी निकायों पर भाजपा ने कब्जा जमाया है। बचेली नगर पालिका में राजू जायसवाल, किरंदुल नगर पालिका में रूबी शैलेंद्र सिंह, बारसूर नगर पंचायत में सुभद्रा नेगी, गीदम नगर पंचायत में रजनीश सुराना और दंतेवाड़ा नगर पालिका में पायल गुप्ता ने जीत हासिल की है। भाजपा ने 15 साल बाद रायपुर नगर निगम के महापौर पद पर कब्जा जमाया है। यहां भाजपा प्रत्याशी मीनल चौबे ने जीत हासिल की। बालोद जिले की दो नगर पालिका और छह नगर पंचायतों पर भाजपा का कमल खिला।

TSMH
त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल
डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
पीडियाट्रिक्स
डी.एन. नियोनेटोलॉजी
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)
डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabetes)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ पूर्व चिकित्सक अपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद
वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग लकवा पैरालाइसिस, निमोनिया, लीवर,
आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं वयस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423
YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
24x7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
हड्डी रोग विभाग | स्त्री एवं प्रसूति विभाग
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर